प्रयागराज, रविवार 19 जुलाई 2026 से 25 जुलाई 2026 तक
वर्ष-14, अंक-29
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

14th ANNIVERSARY

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिका ने ईरान पर लगातार कर रहा एयरस्ट्राइक, जवाब में तेहरान ने बहरीन-कुवैत में गिराए मिसाइल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान

में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया। जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया, जबकि जॉर्डन ने तीन ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी। इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-1. होर्मुज में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियांः ईरानी हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अमेरिका की सुरक्षा लेने से भी बच रही हैं। 2. अमेरिकी हमलों में 35 ईरानी लोगों की मौतः ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के दिनों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 3. ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे नेतन्याहूः इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। वे दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं। 4. अचानक कतर पहुंचे ईरानी विदेश मंत्रीः अब्बास अराघची अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे। 5. लापता भारतीय नाविक के मौत की पुष्टिः ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर 12 जुलाई को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है। इराक के एरबिल में 5 ड्रोन हमलेः-इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र की राजधानी एरबिल में पांच ड्रोन हमले हुए हैं। प्रधानमंत्री अली अल-ज़ैदी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सरकार देश की सुरक्षा और स्थिरता को कमज़ोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। एरबिल पुलिस के मुताबिक, पांच ड्रोन हमले दर्ज किए गए। इनमें से एक ड्रोन अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास मार गिराया गया, जिससे आग लग गई और दूतावास की एयर डिफेंस प्रणाली सक्रिय हो गई। वहीं, दो अन्य ड्रोन शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक अमेरिकी सैन्य बेस के पास गिरे। जॉर्डन का दावा- ईरान की 8 मिसाइलें मार गिराईः-जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान की आठ मिसाइलें हवा में ही मार गिराईं। सरकारी एजेंसी पेट्रा के मुताबिक, सभी मिसाइलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले इंटरसेप्ट कर लिया। सेना ने कहा कि हमले में कोई हताहत या नुकसान नहीं हुआ। अलग-अलग जगह गिरे मिसाइलों के मलबे को सुरक्षित कर लिया गया है। साथ ही, जॉर्डन का एयर डिफेंस सिस्टम हाई अलर्ट पर है और हवाई क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है।

अहमदाबाद में रथयात्रा में शाह ने मंगला आरती की, सीएम-डिप्टी सीएम ने रथ के आगे झाड़ू लगाई, पुरी में बारिश के बीच पहुंच रहे श्रद्धालु

पुरी। गुजरात के अहमदाबाद में आज भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जा रही

है। अहमदाबाद के जामालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने परिवार के साथ शामिल हुए। सुबह 7 बजे भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा का रथ निकाला गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोने की झाड़ू से सड़क साफ की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जामालपुर से ट्रकों में अलग-अलग झांकियां निकली गईं। वहीं, ओडिशा के पुरी में सुबह 9 बजे भगवान को रथों पर विराजमान कराया जाएगा। इसके बाद गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव सोने की झाड़ू से रथ के आगे सफाई करेंगे। शाम 4 बजे श्रद्धालु तीनों रथों को खींचते हुए भगवानों को 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के लिए रवाना करेंगे। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंच रहे। रथयात्रा में अलग-अलग संदेश देने वाली झांकियां निकाली गईं। इनमें ईरान-अमेरिका युद्ध रोकने की अपील, भारतीय क्रिकेट टीम, पीएम मोदी के गुजरात दिखाते फोटो, नगर निगम का साफ-सफाई का मैसेज देने वाला ट्रक शामिल रहा। रथयात्रा में इस बार हाथियों के पैर बंधे हुए हैं। वे दौड़ नहीं सकते। हर हाथी पर निगरानी कैमरे लगे हैं। दरअसल पिछले साल 27 जून को अहमदाबाद की रथयात्रा में डीजे की तेज आवाज से डरकर तीन हाथी बेकाबू हो गए थे। हाथियों के अचानक सड़क पर दौड़ने से खड़िया इलाके में भगदड़ मच गई थी, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे। रथयात्रा की शुरुआत में ओडिसी डांस करने वाली कलाकार ने कहा- मैं हर साल भगवान जगन्नाथ के सामने ओडिसी नृत्य करती हूं। ओडिसी भगवान का फेवरेट डांस माना जाता है, इसलिए हर बार मुझे यहां प्रस्तुति देने का सौभाग्य मिलता है। मुझे विश्वास है कि आज जब महाप्रभु भक्तों को दर्शन देने बाहर आएंगे, तब बारिश भी थम जाएगी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार पर तीनों रथ पहुंच गए हैं। भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष, बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ रथयात्रा से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर खड़ा कर दिया गया है। थोड़ी देर में मंगला आरती होगी। सोने की झाड़ू से रथों की सफाई करेंगे पुरी गजपतिः-रथयात्रा शुरू होने से पहले पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव तीनों रथों की पूजा करेंगे। वे भगवान जगन्नाथ के प्रथम सेवक माने जाते हैं। इसके बाद वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करेंगे। फिर चंदन और सुगंधित जल का छिड़काव करेंगे। इस रस्म को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। रथयात्रा से पहले यह रस्म हर साल होती है। यह परंपरा बताती है कि भगवान के सामने राजा और आम इंसान सभी समान हैं। इसलिए गजपति महाराजा भी खुद को भगवान का सेवक मानकर यह सेवा करते हैं। सबसे पहले बलभद्र, सबसे आखिर में जगन्नाथ का रथ-रथयात्रा में तीनों रथ एक क्रम से निकलते हैं। सबसे पहले भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र का तालध्वज रथ चलता है। इसके बाद बहन सुभद्रा का दर्पदलन रथ निकलता है। सबसे आखिर में भगवान जगन्नाथ अपने नंदीघोष रथ पर सवार होकर यात्रा शुरू करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बड़े भाई होने के कारण बलभद्र सबसे पहले मार्ग दिखाते हैं, उनके पीछे बहन सुभद्रा चलती हैं और अंत में भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों को दर्शन देते हुए गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं। यही क्रम हर साल रथयात्रा और बहुदा यात्रा, दोनों में निभाया जाता है।

यूक्रेन के हमले से रूस में भी होर्मुज जैसा संकट, जहाजों की आवाजाही रुकी, 9 दिन में 116 जहाजों पर हमले हुए

मॉस्को। यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों के बाद रूस को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह हमलों की वजह से रूस को एजोव सागर

के अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इससे दुनिया के दूसरे देशों के साथ रूस का व्यापार प्रभावित होने लगा है। एजोव सागर लंबे समय तक यूक्रेन की पहुंच से बाहर रहा था। रूस इसी समुद्री रास्ते का इस्तेमाल यूक्रेन पर हमले करने और दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, स्टील, सूरजमुखी का तेल और दूसरे सामान दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए करता था। लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेन के ड्रोन हमले काफी प्रभावी हो गए हैं और अब इस समुद्री रास्ते पर भी रूस का दबदबा कमजोर पड़ने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन सेना के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवदी ने बुधवार को दावा किया कि पिछले 9 दिनों में एजोव सागर में रूस के 116 जहाजों को निशाना बनाया गया है। पहले यूक्रेन के हमले मुख्य रूप से रूस के शैडो ऑयल टैंकरों और युद्धपोतों तक सीमित थे, लेकिन अब हमलों का दायरा बढ़ गया है। रूस के दो अहम समुद्री रास्ते बंद-लगातार हमलों के बाद रूस ने डॉन-एजोव चैनल और केर्च स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रोक दी है। डॉन-एजोव चैनल एजोव सागर को रूस की अंदरूनी नदियों और जलमार्गों से जोड़ता है। केर्च स्ट्रेट एजोव सागर को ब्लैक सी से जोड़ता है। सैटेलाइट तस्वीरों और जहाजों की ट्रैकिंग करने वाली बेवसाइट्स के मुताबिक, इन दोनों रास्तों के दोनों ओर बड़ी संख्या में जहाज फंसे हुए हैं और आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 05 पर...**

भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ लागू, व्हिस्की, कारें और कपड़े सस्ते मिलेंगे- समझें किन चीजों के दाम बदलेंगे

नई दिल्ली। भारत में यूके की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर आज से सस्ते मिलेंगे। आज से भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। यानी

अब भारत के 99फीसदी सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99फीसदी सामान 3फीसदी एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे।इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए थे। इस व्यापार समझौते के लागू होने से पहले भारत में यूके की हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! यूके और भारत इस बात पर सहमत हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप के लिए ऐतिहासिक पल है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए ग्रोथ के नए युग की शुरुआत करेगा।' सवाल 1: भारत में कौन सी चीजें सस्ती होंगी? जवाबः यूके से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15फीसदी से घटकर 3फीसदी होगा।**आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..**

असम में 99 गांव डूबे, अरुणाचल में 1 लाख लोग फंसे, एमपी के 35 जिलों में सूखा

2 दिन में बंगाल-बिहार-यूपी में मानसून की वापसी संभव

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के चलते पश्चिम बंगाल,

ओडिशा, झारखंड और बिहार में बारिश हो सकती है। बुधवार को ओडिशा के पुरी में रथयात्रा के दौरान भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) मजबूत होगा और अगले दो दिनों में पश्चिम बंगाल, बिहार और यूपी की तरफ बढ़ेगा। इससे इन राज्यों में मानसूनी बादलों की वापसी हो सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश में जबलपुर, रीवा, सागर-शहडोल समेत प्रदेश के 35 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और बारिश से 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अब तक 7 लोगों की मौत हुई है और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं। नेपाल में बारिश से भारत में बाढ़ का खतरा नेपाल के सूनसरी के पुलिस उप अधीक्षक चंद्र बहादुर खड़का के मुताबिक, बुधवार रात कोशी बैराज पर पानी का बहाव 1,63,230 क्यूसेक पहुंच गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आगर पूर्वी नेपाल में बारिश जारी रही, तो पानी का बहाव और अधिक बढ़ सकता है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज के 56 गेटों में से 21 गेट खोल दिए गए हैं। कोशी बैराज नेपाल और भारत के पड़ोसी क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण बाढ़-नियंत्रण संरचना है। कोशी बैराज कंट्रोल रूम ने बताया कि जब नदी का बहाव 1,50,000 क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तो सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए जाते हैं। इसके तहत खतरे का संकेत देने और आसपास के लोगों को अलर्ट करने के लिए बैराज पर लाल बत्तियां जलाई जाती हैं और लाल झंडे फहराए जाते हैं। वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है- भारी बारिश के बाद वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है-गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण नदी का प्रवाह काफी तेज हो गया है, जिससे घाटों की सीढ़ियां पानी में डूबने लगी हैं। 2 दिन के मौसम का हालः-17 जुलाईः-उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, सिक्किम, बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम ओर त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही तेज गर्मी के साथ यहां मौसम उमस भरा रहेगा। मध्य प्रदेश, झारखंड, बंगाल और जम्मू-कश्मीर में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जुलाईः-पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में तेज गर्मी और उमस भरा मौसम रहेगा। ओडिशा-बंगाल में भारी बारिश, आंधी-बिजली और तूफान का ऑरेंज अलर्ट है। कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल, असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर में तेज बारिश होगी।

भारत पर 100फीसदी टैरिफ लगा सकता है अमेरिका, रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर गिर सकती हैं गाच

-संसद में बिल पेश, 5 देश निशाने पर-

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100फीसदी कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल

खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है। भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा-भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4फीसदी था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका-रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15फीसदी से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100फीसदी टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15फीसदी से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।सीनेट में पेश रूस-विरोधी टैरिफ बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का समर्थन मिला है। इसे अमेरिकी राजनीति में 'बाइपार्टिसन बिल' कहा जाता है। यानी ऐसा प्रस्ताव जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हों। नौकरियां जाएंगी और रुपया कमजोर होगाः 100फीसदी टैरिफ से अमेरिका को होने वाला रु2.1 लाख करोड़ का कपड़ा, हीरा और दवा निर्यात ठप हो जाएगा।इससे इन उद्योगों में काम करने वाले करीब 15 से 20 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। निर्यात घटने से देश में डॉलर की कमी होगी, जिससे भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।

2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिल रहा, नुकसान का कोई सबूत नहीं- ऐवरेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एथेनॉल से गाड़ियां खराब होने का कोई प्रमाण नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि वैकल्पिक ईंधन से देश का तेल आयात कम होगा, प्रदूषण घटेगा और किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा मैं परिवहन मंत्री हूं और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मानक तय करना मेरा अधिकार है। कौन-सा ईंधन इस्तेमाल होगा, इसका अंतिम फैसला पेट्रोलियम मंत्रालय करता है। मैं पिछले 25 साल से किसानों के हित में वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहा हूं। देश 22 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोलियम आयात करता है। दिल्ली के प्रदूषण का 40% हिस्सा परिवहन से आता है। इसे कम करना भी हमारी जिम्मेदारी है। देश को हर साल करीब 1450 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत है, जबकि हमारी उत्पादन क्षमता 1750-1800 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है। एथेनॉल सिर्फ गन्ने से नहीं, बल्कि मोलासेस, मक्का, टूटे चावल, पराली और बांस से भी बनाया जा रहा है। इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए का तेल आयात बचा है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों की आय बढ़ी है। उन्होंने बताया माइलेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर करता है। एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से थोड़ी कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में मामूली अंतर आ सकता है। लेकिन एथेनॉल सस्ता है,

प्रदूषण कम करता है और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन आने के बाद यह अंतर और कम हो जाएगा। हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत अपनी जरूरत और संसाधनों के हिसाब से नीति बना रहा है। हमारा लक्ष्य तेल आयात कम करना और प्रदूषण घटाना है। ब्राजील में 1970 से 100इ एथेनॉल का इस्तेमाल हो रहा है। वहां एक ही पेट्रोल पंप पर कई तरह के ईंधन उपलब्ध हैं। भारत में अभी उस स्तर तक पहुंचना बाकी है। पूछने पर की ई-20 से गाड़ियां खराब होने की शिकायतें आ रही हैं? उन्होंने कहा इसका कोई प्रमाण नहीं है। 2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। अब तक किसी की गाड़ी खराब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया। सोशल मीडिया पर भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं। कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करती हैं। पेट्रोल के दाम तय करना पेट्रोलियम मंत्रालय का अधिकार है, मेरा नहीं। सरकार कीमतों में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करती है। सवालः अगर कच्चे तेल (क्रूड) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ जाए, तब भी एथेनॉल फायदे का सौदा रहेगा? गडकरीः यह सही है कि कच्चे तेल की कीमत बहुत कम होने पर एथेनॉल की आर्थिक बढ़त कम हो सकती है। लेकिन हमारा मकसद सिर्फ लागत घटाना नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा, प्रदूषण में कमी, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही जरूरी है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन भविष्य की जरूरत हैं। मोटे तौर पर हमारे रोड की क्वालिटी अच्छी है। हम एक मशीन लाए हैं, एक्सरे मशीन जैसी। पूरे रोड का एक्सरे निकलकर हमारे पास आता है।

अमृता विश्व विद्यापीठम संस्थान के सहयोग से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में ध्यान योग शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली अनिशा के मार्गदर्शन में अमृता विश्व विद्यापीठम संस्थान से आये नारेन्द्र आनन्द व स्वेता आनन्द के द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह रायबरेली में आवासित बालको को मानसिक व शरीरिक रुप से सुदृढ़ बनाने हेतु ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। इस ध्यान योग शिविर में राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में आवासित बालकों के द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया। अमृता विश्व विद्यापीठम संस्था से आये नारेन्द्र आनन्द व स्वेता आनन्द के द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि योग और ध्यान का नियमित अभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इनसे शारीरिक लचीलापन, ताकत और मानसिक शांति बढ़ती है। ये अभ्यास तनाव कम करते हैं, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार करते हैं और एक बेहतर व संतुलित जीवनशैली प्रदान करते हैं। इस ध्यान योग शिविर में डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव, अधीक्षक सम्प्रेक्षण गृह शीतला प्रसाद, काउंसलर सौरभ चौधरी, पैरामेडिकल स्टाफ अमित विक्रम, मधुबाला व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार प्रजापति व राजकमल के द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

Gem of आधुनिक समाचार 2026
डॉ. रश्मि सिंह- 'चिकित्सा, सेवा और समाजहित की प्रेरक पहचान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। डॉ. रश्मि सिंह आज चिकित्सा, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त और प्रेरणादायी नाम हैं। 25 वर्षों के चिकित्सकीय अनुभव के साथ उन्होंने अनेक जटिल एवं असाध्य रोगों से पीड़ित अनगिनत मरीजों को पूर्णतः स्वस्थ करने में सफलता प्राप्त की है। डॉ. राठौर्स होम्योपैथी के निदेशक के रूप में वे न केवल रोगियों को समर्पित उपचार उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि होम्योपैथिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एक वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में उनकी पहचान संवेदनशीलता, अनुभव और मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित है। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में डॉ. रश्मि सिंह ने पूरे देश के लोगों को उचित एवं प्रभावी निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श और उपचार उपलब्ध कराकर समाज की महत्वपूर्ण सेवा की। संकट की इस घड़ी में उनके समर्पण, मानवता एवं निरंतर सेवा-भाव के लिए उन्हें 'कोरोना वॉरियर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट चिकित्सकीय योगदान, समाजसेवा और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। चिकित्सा सेवा के साथ-साथ डॉ. रश्मि सिंह ने उद्यमिता और सामाजिक कार्य को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो (NHRCCB) की प्रदेश सलाहकार (2022-2023) एवं प्रदेश अध्यक्ष (2023-2024) रह चुकी हैं, जहां उन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा, जन-जागरूकता और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर सक्रिय योगदान दिया। इसके साथ साथ गंगा समग्र की संयोजक के रूप में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनभागीदारी से जुड़े अभियानों को भी मजबूती दी। उनकी कार्यशैली का सबसे बड़ा आधार सेवा-भाव है। वे स्वास्थ्य को केवल उपचार तक सीमित नहीं मानतीं, बल्कि इसे जागरूकता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़कर देखती हैं। इसी दृष्टिकोण के कारण उन्हें चिकित्सा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'राष्ट्रीय चिकित्सा रत्न ' सम्मान एवं अनेकों ना सिर्फ राज्य स्तरीय बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। डॉ.रश्मि सिंह का जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि संकल्प, संवेदना और समर्पण साथ हों, तो एक व्यक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत धारा प्रवाहित कर सकता है। वे आज उन चुनिंदा व्यक्तित्वों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने कार्य से यह सिद्ध किया है कि सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में आशा, स्वास्थ्य और विश्वास का संचार करे। DR RASHMI SINGH Director-Dr RATHORE'S HOMOEOPATHY, beside Income Tax office, Stanley Road, Civil Lines, PRAYAGRAJ.Contact:- +91 9936109033

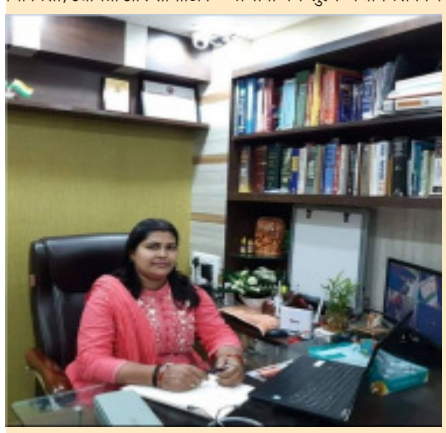

हर बच्चा विद्यालय तक पहुँचे, शिक्षा से कोई न रहे वंचित- जिलाधिकारी

डीएम ने मलिन बस्ती में स्कूल चलो अभियान के तहत 10 बच्चों का कराया पंजीकरण,ड्रॉपआउट छात्रा का भी कराया नामांकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में शत-प्रतिशत नामांकन एवं प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित बेसिक शिक्षा विभाग के ''स्कूल चलो अभियान'' के अंतर्गत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने नया पुरवा, मलिन बस्ती पहुंचकर बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद किया तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं पहल करते हुए 10 बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया, जिसमें से पांच बच्चों का कम्पोजिट विद्यालय चकअहमदपुर व पांच बच्चों का कम्पोजिट विद्यालय सत्यनगर में नामांकन कराया गया। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार बनाए जाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने एक बच्ची जिसने किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी, उससे मिलकर उसे शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करते हुए बच्ची का कक्षा-07 में पुनः नामांकन करवाया। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा या बच्ची आर्थिक, सामाजिक अथवा अन्य किसी कारण से शिक्षा से वंचित न रहे, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने अभियान'' के अंतर्गत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने नया पुरवा, मलिन बस्ती पहुंचकर बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद किया तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं पहल करते हुए 10 बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, यूनिफॉर्म, मध्याह्न भोजन सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, जिनका लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में ऐसे सभी बच्चों की पहचान कर उन्हें विद्यालय से जोड़ा जाए, जिन्होंने किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ दी है या अभी तक विद्यालय में नामांकित नहीं हैं।

साथ ही विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए नामांकन के साथ-साथ नियमित उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने की जल जीवन मिशन प्रगति की सघन समीक्षा

समयबद्ध सड़कों को रिस्टोर करने एवं शत-प्रतिशत घरेलू जल कनेक्शन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल निगम द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने, फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफ0एच0टी0सी0), जल गुणवत्ता, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, इसलिए कार्यों में तेजी लाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रिस्टोरेशन कराया जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सड़क बहाली के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एफ0एच0टी0सी0 (घरेलू नल कनेक्शन) के कार्यों में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर एवं टीमों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को शीघ्र जल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यों की दैनिक समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर पेयजल सुविधा से आच्छादित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन संस्थानों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बच्चों के स्वास्थ्य एवं बेहतर शिक्षण वातावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने पर भी बल दिया। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखें तथा विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रणविजय सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी) अफजाल खान, अधिशासी अभियंता सिंचाई सुशील यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जनपद में धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 10 सितम्बर तक लागू - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में 30 जुलाई 2026 से सावन मास प्रारम्भ होकर 28 अगस्त 2026 तक रहेगा इस मध्य सावन के प्रत्येक सोमवार शिव मंदिरों में जलाभिषेक, विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, दर्शन-पूजन, मेला, गंगा स्नान आदि श्रद्धालुओं द्वारा किया जायेगा। सावन के सोमवार 03, 10, 17 एवं 24 अगस्त को है। 04 अगस्त को चेहल्लुम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/बारावफात, 28 अगस्त को रक्षा बंधन, 04 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, पूर्णिमा/अमावस्या पर्व पर गंगा स्नान एवं विभिन्न आयोग एवं भर्ती बोर्ड से आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं, प्राविधिक शिक्षा परिषद/विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समयाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना संभव नहीं है। जिला मजिस्ट्रेट सरनीत कौर ब्रोका ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एकपक्षीय रूप से निषेधाज्ञा जारी किया है। जिसके अनुसार किसी भी सार्वजनिक स्थान पर 05 से अधिक व्यक्ति को एक साथ एकत्रित होने से प्रतिबन्धित किया जाता है। किसी भी व्यक्ति द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की आंतरिक गोपनीयता भंग नहीं की जायेगी। कोई भी व्यक्तियों का समूह, राजनैतिक संगठन एवं उसका सदस्य/कार्यकर्ता तथा कोई भी संस्था के सदस्य द्वारा धार्मिक भावनाओं की ठेस पहुंचाने तथा अफवाहों का प्रचार निषिद्ध किया जाता है। किसी प्रकार की धार्मिक उत्तेजना की सामग्री फैलाना प्रतिबन्धित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति लाठी-डण्डा ढेला, ईंटा, पत्थर, सोड़ा वाटर की बोतले आदि जिनसे किसी को आघात पहुँचाई जा सकती है, तद्नुसार उनका एकत्रित किया जाना प्रतिबन्धित किया जाता है। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक पोस्टर, हैण्डबिल छापने व वितरित करने से प्रतिबन्धित किया जाता है।किसी भी व्यक्ति द्वारा दूसरे धर्म के/सम्प्रदाय के लोगों तथा उनके धार्मिक स्थलों व मकानों पर रंग, कीचड़ आदि डालने, साम्प्रदायिक विद्वेष पैदा करने वाले नारे लगाने, नशे में अश्लील शब्दों का प्रयोग एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, दुकानदारों, राहगीरों, वाहन चालकों से जबरन चंदा वसूलना प्रतिबंधित किया जाता है। डीजे0, साउन्ड, अन्य सभी प्रकार के ध्वनि विस्तारक वाद्ययंत्रों को निर्धारित ध्वनि मात्रा से अधिक ध्वनि पर बजाने व रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक समस्त प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों को बजाने से प्रतिबन्धित किया जाता है। इसके अतिरिक्त म्यूजिक सिस्टम/लाउडस्पीकर का बिना समक्ष स्तर से अनुमति के सार्वजनिक प्रयोग प्रतिबन्धित किया जाता है। गंगा स्नान, व अन्य किसी प्रकार के प्रयोजन में व्यक्तियों के आवागमन में ट्रैक्टर ट्राली, मालवाहक वाहनों का प्रयोग कदापि नहीं किया जायेगा। विधि मान्य सवारी वाहनों से ही व्यक्तियों के आवागमन की अनुमति दी जाये। धार्मिक यात्राओं/जुलूसों में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन करना, सडक/मार्ग अवरोध करना, ट्यूबलाइट, बल्ब फोड़ना, तेज रफ्तार वाहन चलाकर स्टंटबाजी करना, अश्लीलता का प्रदर्शन करना, साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने संबंधी किसी प्रकार के नारे, टिप्पणी, आदि कृत्य करने से प्रतिबन्धित किया जाता है। जिला मजिस्ट्रेट ने यह निषेधाज्ञा 15 जुलाई 2026 से 10 सितम्बर 2026 तक सम्पूर्ण जनपद में प्रभावी रहेगी, एवं जनपद रायबरेली की सीमा के अंतर्गत सामान्य रूप से रहने वाले/आने-जाने वाले सभी नागरिकों /व्यक्तियों पर लागू होगी। किसी के द्वारा कोई भी ऐसा कार्य नहीं किया जायेगा, जिससे लोक परिशान्ति विखण्डित होने अथवा पारस्परिक सौहार्द में कोई व्यवधान उत्पन्न होने की सम्भावना हो। इसका उल्लंघन की धारा-223 भारतीय न्याय संहिता-2023 के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा। यह निषेधाज्ञा मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित निर्गत की जाती है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर राजकीय आईटीआई में भव्य कार्यक्रम आयोजित,उत्कृष्ट प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गोरा, बाजार, रायबरेली में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धीलाल पासी द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर सदस्य कामगार आयोग सुशील गुप्ता, अध्यक्ष लघु उद्योग भारती सुरेश गुप्ता, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, जिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव एवं प्रधानाचार्य महिला आईटीआई नेहा उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कौशल विकास एवं आईटीआई के प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्रशिक्षण अवधि में निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अतिथियों द्वारा अवलोकन कर सराहना की गई। कार्यक्रम में संस्थान के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले, उच्च वेतनमान पर सेवायोजित तथा स्वरोजगार स्थापित करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही कौशल विकास मिशन द्वारा 14 जुलाई 2026 को आयोजित रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र भी वितरित किए गए। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में विश्व युवा कौशल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए युवाओं से निरंतर कौशल विकास करने, नवीन तकनीकी ज्ञान अर्जित करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन से युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा को किसी न किसी कौशल में दक्षता अवश्य प्राप्त करनी चाहिए, जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर समाज और देश के विकास में योगदान दे सके। कार्यक्रम के समापन पर नोडल प्रधानाचार्य विवेक तिवारी ने जिलाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष को स्मृति-चिह्न भेंट किया तथा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सी.एम. श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कौशल विकास मिशन से राजीव कुमार सिंह एवं वंदना सिंह तथा आईटीआई से कार्यदेशक राजकुमार मौर्य, हरिश्चंद्र, नरेंद्र बहादुर सिंह यादव, कंचन विश्वकर्मा, अंकिता यादव, शोना, वर्तिका, राकेश कुमार, चंद्रकांत, विनोद भास्कर, आशीष कुशवाहा, आकाश कुमार सहित संस्थान के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

रायबरेली में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का खरीद शुरू, किसान जल्द कराएं ऑनलाइन पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिला खाद्य विपणन अधिकारी रायबरेली कमलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत जनपद में किसानों से मक्का खरीद प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस मूल्य पर किसानों से सीधे मक्का की खरीद की जाएगी। जनपद रायबरेली में मक्का खरीद के लिए कुल दो क्रय केंद्रों को जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद संचालित किया गया है। इनमें ऊंचाहार तहसील स्थित ऊंचाहार उप मंडी तथा जगतपुर में मक्का क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि मक्का विक्रय के इच्छुक किसानों के लिए खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in अथवा विभाग के मोबाइल ऐप UP KISAN MITRA पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उन्होंने जनपद के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे समय से अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराकर अधिक से अधिक संख्या में मक्का का विक्रय करें तथा भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना का लाभ उठाएं।

एडीए कॉलोनी, नैनी में चोरों का 'प्रमोशन' चोरी से बढ़कर डकैती तक पहुंचा अपराध!

एडीए कॉलोनी में डिवाइडर से हटाए गए बोर्डों की चोरी, स्थानीय लोगों ने उठाए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। एडीए कॉलोनी में प्रशासनिक कार्रवाई के तहत नगर निगम द्वारा डिवाइडर पर लगे बोर्ड हटाए जाने के बाद क्षेत्र से बोर्ड गायब होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि लाखों रुपये की लागत से बने बोर्ड ई-रिक्शा और छोटे हाथी वाहन से खुलेआम ले जाए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं मानी। कुछ स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति नशे की हालत में थे और बेखौफ होकर बोर्ड ले गए। क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चाओं का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कुछ लोगों द्वारा 'जैकी' नामक व्यक्ति का उल्लेख किया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल नगर निगम या पुलिस की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि शिकायत दर्ज की जाती है, तो जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

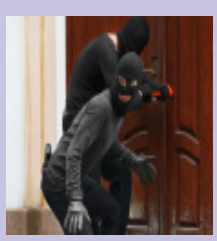

27 लीटर अवैध कच्ची शराब, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 सरिता सिंह मय हमराह द्वारा थाना इलमऊ तहसील इलमऊ के जोहवानटकी, आमपुर के विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। दबिश के दौरान अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में कुल लगभग 27 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 150 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए।

तहसील में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

महिला कृषि उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज के सभागार में जया फाउन्डेशन गोमती नगर, लखनऊ द्वारा प्रायोजित लघुधारक कृषकों के आयवर्धन हेतु महिला कृषक उद्यमी परियोजना अन्तर्गत महिला कृषि उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 15 जुलाई 2026 को किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज श्री अनिल कुमार सागर ने बताया कि भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि क्षेत्र में प्रगति एवं विकास में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्रामीण महिलायें कृषि क्षेत्र में स्थायी विकास व आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय सुधार में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं। उन्होनें कहा कि कृषि क्षेत्र के कार्यों में महिलाओं की व्यापक भागीदारी को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक बनाया जाता है जिससे वे व्यक्तिगत, पारिवारिक रूप से सशक्त हो सके एवं साथ ही अपने ग्रामीण क्षेत्र एवं अन्य कृषक महिलाओं को भी उद्यमिता के अवसर प्रदान कर सके। कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक प्रसार, शुआट्स प्रयागराज डा0 प्रवीन चरन ने कृषक महिला उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है किन्तु इसके उपरान्त भी वे अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित हैं। आवश्यक है कि ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित एवं आर्थिक रूप से निर्भर व सक्षम बनने की इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र में कृषि कार्यों में कार्यरत महिलायें फसल उत्पादन, संरक्षित खेती, पशुपालन, मशरूम उत्पादन, दुग्ध व्यवसाय व कुटीर उद्योगों के सशक्त एवं आत्मनिर्भर हो सकें। इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित शुआट्स विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो0 (डा0) विश्वरूप मेहरा ने कृषक महिलाओं को श्रीअन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण के माध्यम से आयवर्धन हेतु जानकारी देते हुए कहा कि श्रीअन्न की फसलों को सीमित संसाधन एवं कम उर्वर भूमियों में भी उत्पादित किया जा सकता है। उन्होने बताया कि आज के समय में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के आयवर्धन हेतु लघु कुटीर उद्योगों के रूप में भी मोटे अनाजों के उत्पाद उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से परिचित कराया साथ ही ग्रामीण कृषक महिलाओं को संरक्षित खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि पॉलीहाउस / ग्रीनहाउस / लो-टर्नल पॉलीहाउस में औद्यानिक फसलों, पौधशाला प्रबन्धन, फलदार वृक्षों एवं नर्सरी प्रबन्धन करके अच्छा उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण महिलायें अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती हैं जया फाउन्डेशन, लखनऊ के निदेशक श्री रजनीकांत प्रसाद ने अपने सम्बोधन में कहा कि जया फाउन्डेशन ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक विकास के समान अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्प है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन, जैविक खेती, एकीकृत कीट प्रबन्धन, जैविक कीटनाशक, प्राकृतिक खेती आदि विभिन्न विषयों पर कुशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का एक अवसर प्रदान कर रहा है जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलायें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बन सके एवं अपने गांव, प्रदेश एवं देश की आर्थिक प्रगति का प्रतिनिधित्व कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 शिशिर कुमार, डा0 टी0डी0 मिश्रा, डा0 मनीष कुमार केसरवानी, डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 सरवेन्द्र कुमार, श्रीमती मीना नेथन एवं प्रसार निदेशालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। डा0 प्रवीन चरन निदेशक प्रसार

अब बरसात में 'पानी-पानी' नहीं होगा रॉबर्ट्सगंज,जलभराव के स्थायी समाधान के लिए 23.62 करोड़ रुपये की लागत से होगा नाला का निर्माण

वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया ड्रेनेज प्लान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने 23.62 करोड़ रुपये की लागत से 4.46 किमी लंबे नाला निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। गौरतलब है कि जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मौके पर जाकर इमरती कालोनी व उसके आस-पास के स्थलों का स्थल का निरीक्षण किया था। जहां पर नगर वासियों ने इमरती कालोनी हाईवे के सामने पुसौली बढौली चौराहे के मिशन अस्पताल के सामने जल भराव की समस्या से अवगत कराया था। उक्त समस्या का निराकरण करने हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने टीम बनाकर जल जीवन मिशन शहरी के अधिकारियों के टीम बनाकर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगर के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार पर ड्रेनेज नेटवर्क विकसित करने के उद्देश्य से विस्तृत फीजिबिलिटी स्टडी एवं ड्रेनेज डिजाइन तैयार कराया गया, जिसमें स्थल निरीक्षण, भू-स्तर (लेवल सर्वे), हाइड्रोलॉजी, कंटूर मैप, सैटेलाइट सर्वे तथा विगत 30 वर्षों के वर्षा आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। तकनीकी अध्ययन के दौरान नगर क्षेत्र के लिए तीन संभावित ड्रेनेज मार्गों का परीक्षण किया गया। पहला विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से चुर्क रोड मार्ग था, जिसे तकनीकी रूप से असंभव पाया गया। इस मार्ग पर भूमि का स्तर आगे बढ़ने के साथ ऊँचा होता जाता है, जिससे गुरुत्वाकर्षण के आधार पर वर्षा जल का प्रवाह संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में पूरे मार्ग पर पम्पिंग सिस्टम स्थापित करना पड़ेगा, जो अत्यधिक खर्चीला एवं अव्यावहारिक है। दूसरे विकल्प के रूप में पुसौली पोखरा मार्ग का परीक्षण किया गया, किन्तु इस मार्ग पर वर्षा जल के निकास के लिए कोई प्राकृतिक आउटफॉल उपलब्ध नहीं मिला। रेलवे लाइन पार करने के बाद जल निकासी का कोई उपयुक्त स्रोत न होने से इस विकल्प को भी तकनीकी रूप से अस्वीकार कर दिया गया। अध्ययन में तीसरा विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से कचहरी ड्रेन रूट सर्वाधिक उपयुक्त एवं व्यवहारिक पाया गया। इस मार्ग पर भूमि का प्राकृतिक ढाल लगातार नीचे की ओर है, जिससे बिना किसी पम्पिंग व्यवस्था के वर्षा जल का प्रवाह संभव होगा। प्रस्तावित ड्रेन से वर्षा जल कचहरी ड्रेन होते हुए सजौर पोखरा के समीप स्थित मुख्य सिंचाई नाले में प्रवाहित होगा, जिससे नगर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रस्तावित ड्रेनेज परियोजना की कुल लंबाई लगभग 4,461 मीटर (4.46 किलोमीटर) होगी। परियोजना में विभिन्न आकार की आरसीसी नालियों का निर्माण, आवश्यक कल्वर्ट, रेलवे एवं नहर क्रॉसिंग, साइफन निर्माण, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग तथा पेयजल पाइपलाइन के स्थानांतरण सहित सभी आवश्यक आधारभूत कार्य शामिल किए गए हैं। तकनीकी अनुमान के अनुसार परियोजना की मूल निर्माण लागत लगभग रूपये 17.95 करोड़ है। डिजाइन एवं वेटिंग शुल्क, श्रम उपकर, जीएसटी तथा अन्य प्रभारों सहित परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग रूपये 23.62 करोड़ निर्धारित की गई है। तकनीकी विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट अनुशंसा की है कि कचहरी ड्रेन रूट ही रॉबर्ट्सगंज नगर के लिए एकमात्र तकनीकी रूप से उपयुक्त एवं दीर्घकालिक समाधान है। रिपोर्ट में इस एलाइनमेंट पर विस्तृत सर्वेक्षण पूर्ण कर अंतिम डिजाइन तैयार करते हुए परियोजना को आगे बढ़ाने की संस्तुति की गई है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि नगरवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अध्ययन के आधार पर तैयार इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे भविष्य में रॉबर्ट्सगंज नगर को एक सुदृढ़ एवं आधुनिक जलनिकासी व्यवस्था उपलब्ध कराई जायेगी।

जिलाधिकारी की पहल से रॉबर्ट्सगंज को जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात,डीएमएफ फंड से से होगा 4.46 किमी लंबे नाला का निर्माण

मतदान केन्द्रों के आलेख्य प्रकाशन पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न,21 प्रस्तावों में 8 स्वीकृत, 13 प्रस्ताव निरस्त

18 जुलाई तक मतदान केन्द्रों को दिया जाएगा अंतिम रूप-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 400-घोरावल, 401-रॉबर्ट्सगंज, 402-ओबरा (अ.ज.जा.) एवं 403-दुद्धी (अ.ज.जा.) के मतदेय स्थलों का आलेख्य प्रकाशन 04 जुलाई, 2026 को कर जिला वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था। साथ ही आमजन से 12 जुलाई, 2026 तक मतदान केन्द्रों एवं स्थलों के संबंध में सुझाव एवं आपत्तियां लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने की अपील की गई थी। इसी क्रम में प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों के परीक्षण हेतु 15 जुलाई, 2026 को माननीय सांसद, माननीय विधायकगण तथा मान्यता प्राप्त समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 1,563 मतदान स्थल एवं 973 मतदान केन्द्र निर्धारित हैं। उल्लेखनीय है कि मतदान केन्द्रों एवं स्थलों के प्रस्तावों के संबंध में 01 जुलाई, 2026 को भी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अवगत कराया गया कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) तथा आम आदमी पार्टी की ओर से कुल 21 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जांच के उपरांत 08 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए, जबकि 13 प्रस्ताव आयोग के मानकों के अनुरूप न पाए जाने के कारण निरस्त कर दिए गए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनः अपील की कि वे मतदान केन्द्रों एवं स्थलों का एक बार फिर अध्ययन कर लें। यदि किसी प्रकार का परिवर्तन अपेक्षित हो तो अगले दो दिवस के भीतर अपना सुझाव अथवा आपत्ति लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें, ताकि परीक्षण के उपरांत 18 जुलाई, 2026 तक मतदान केन्द्रों एवं स्थलों को अंतिम रूप प्रदान किया जा सके।

वर्तमान की मांग है पर्यावरण संरक्षण - गुनेन्द्र प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। औद्योगिक एसोसिएट्स सिविल कोर्ट रायबरेली के तत्वाधान में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीसी (फौ0) समाजवादी चिंतक, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी परिवार के दीपक ओपी यादव का 73वां जन्म दिन पर्यावरण संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर 30प्र0 के विभिन्न जनपदों में फलदार, सायादार एवं औषधी के 73 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 30प्र0 न्यायिक सेवा संघ के महासचिव अपर जिला जज गुनेन्द्र प्रकाश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की मांग है। पौधों में भी जान होती है और वह भी सांस लेते हैं। पेड़ों द्वारा छोड़ी जाने वाली आक्सीजन मानव जीवन के लिए वरदान है।

पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान दिनांक 15/07/26 से 30/07/26 तक नशामुक्ति जनजागृति अभियान चलाने हेतु निर्देश प्राप्त हुये है पुलिस अधीक्षक शहडोल संजय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अति. पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान तथा एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी रिषभ छारी के दिशा निर्देशन मे ब्यौहारी पुलिस द्वारा दिनांक 15/07/26 को बस स्टेण्ड ब्यौहारी थाना ब्यौहारी जिला शहडोल मे उपस्थित नागरिको को नशा नही करने के संबंध मे समझाईस दी गई एवं लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के संबंध मे जानकारी दी गई तथा जनप्रतिनिधि के साथ रैली / ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया एवं शपथ दिलाई गई। उक्त अभियान मे लगभग 70 लोगो ने अपनी सहभागिता दी तथा शपथ ली गई। उक्त अभियान मे एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी रिषभ छारी, थाना प्रभारी ब्यौहारी निरी. जियाउल हक एवं अधीनस्थ स्टाफ उप निरी. सुरेश कुमार, प्र.आर. 764 नरेन्द्र उपाध्याय, प्रआर.685 रामजी गौतम उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रिपिंग रोकने को आरएमयू लगाने पर जोर

यूपीएसआईए मीडिया हाउस में विद्युत विभाग और उद्योग प्रतिनिधियों की बैठक, पारदर्शिता व उपभोक्ता सुविधाओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संघ (यूपीएसआईए) के मीडिया हाउस में उद्योग प्रतिनिधियों एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रिंग मेन यूनिट (आरएमयू) की स्थापना और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या के स्थायी समाधान पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अधीक्षण अभियंता (एसई), अधिशासी अभियंता (Executive Engineer), एसडीओ एवं जेई के साथ उद्योग प्रतिनिधियों में अरविंद राय, के. खान, नीरज श्रीवास्तव, अनंत चंद्र, अनुज तिवारी, दिवाकर शुक्ला, राजीव नायर, अद्वैत मोहन और डॉ. पुनीत अरोड़ा उपस्थित रहे। विनय टंडन ऑनलाइन माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि लगातार ट्रिपिंग के कारण औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, इसलिए प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में आरएमयू स्थापित कर विद्युत आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाया जाना चाहिए। ऑनलाइन जुड़े विनय टंडन ने उद्योगों की सुविधा के लिए चेक के माध्यम से बिजली बिल जमा करने की व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने का मुद्दा उठाया। वहीं अनंत चंद्र ने विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए शिकायतों, लंबित कार्यों और उनके निस्तारण की स्थिति को गूगल शीट के माध्यम से साझा करने का सुझाव दिया, जिससे उद्योगों और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। बैठक में अधिकारियों ने उद्योगों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

सोनभद्र में मिशन सेफ फ्यूचर का बड़ा एक्शनः अभियान के अंतर्गत 57 स्कूली वाहनों का चालान, 27 वाहन सीज

बिना फिटनेस, बीमा, परमिट और सुरक्षा मानकों के दौड़ रहे स्कूल वाहनों पर एआरटीओ की सख्त कार्रवाई, 4.82 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत सोनभद्र परिवहन विभाग ने व्यापक जांच अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान अब तक की गई कार्रवाई में 57 स्कूली वाहनों का चालान, 27 वाहनों को सीज किया गया, जबकि विभिन्न परिवहन नियमों के उल्लंघन पर 4.82 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कौशल कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान कई स्कूली वाहन बिना फिटनेस प्रमाणपत्र, बिना वैध बीमा, बिना परमिट तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना संचालित होते पाए गए। कई वाहनों में अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, आपातकालीन निकास सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी नहीं मिलीं।एआरटीओ ने ऐसे सभी वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए चालान और सीज की कार्रवाई सुनिश्चित की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एआरटीओ कौशल कुमार सिंह ने कहा कि मिशन सेफ फ्यूचर अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। जिन वाहनों में फिटनेस, बीमा, परमिट या अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले अथवा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई है। सभी स्कूल प्रबंधकों एवं वाहन संचालकों से अपील है कि वे अपने वाहनों का संचालन परिवहन विभाग के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाहनों की जाँच करते एआरटीओ कौशल कुमार सिंह

विश्व युवा कौशल दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर प्रशिक्षार्थियों के द्वारा कौशल प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला एवं श्री ज्ञान सिंह वर्तमान उपाध्यक्ष बीजेपी यमुनापार के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित करके प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार के द्वारा बताया गया की प्रशिक्षार्थियों के द्वारा लगाए गए कौशल प्रदर्शनी को प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान के रूप में पुरस्कृत किया गया एवं श्री अमृत लाल गुप्ता अप्रेंटिसशिप प्रभारी के द्वारा मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एचआर श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह का स्वागत किया गया मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एचआर श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा अप्रेंटिस के बारे में परीक्षार्थियों को जानकारी दी गई एवं इस अवसर पर मारुति कम्पनी के द्वारा 105 प्रशिक्षार्थियों को अप्रेंटिसशिप में चयनित किया गया तथा मुख्य अतिथियों के द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया व उप प्रधानाचार्य सीमा रंजन के द्वारा बताया गया प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के द्वारा दसवीं बारहवीं बीए . बीएससी बीकॉम, एमएससी, एमकॉम, बीसीए, एमबीए, एमसीए के प्रशिक्षार्थियों के लिए छह माह व 12 महीने के लिए योजना प्रधानमंत्री के द्वारा चलाई गई है जिसमें इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षार्थियों को 9000 प्रतिमाह दिया जाएगा और कंपनी में ज्वॉइन करने पर 6000 रहने की व्यवस्था के लिए दिया जाएगा इस अवसर पर संस्थान के समस्त अनुदेशक व कार्यदेशक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री वी. वी कौशलकार्यदेशक के द्वारा किया गया जिसमें श्री मोहन लाल उपप्रधानाचार्य श्री राकेश शर्मा, श्री राम प्रीत राम सुंदरिका प्रसाद कार्यदेशक श्रीमती रंजना शुक्ला, वीरेन्द्र नाथ शुक्ला अनुदेशक आदि लोगो का सहयोग रहा।

सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया की मासिक बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बुद्धवार को सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया अमेठी की मासिक बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में कुछ लोगों द्वारा स्थानीय बुद्ध विहार के प्रबंधक भंते प्रज्ञा मित्र के साथ विगत दिनों हुए अभद्र व्यवहार की निंदा की गयी।दोबारा ऐसे व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व सदस्यों में संस्थान के प्रबंधक सुखदेव बौद्ध, उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप, सचिव रामफल फौजी, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन, रामकिशोर, रामसमुझ (चौधरी) बाबूलाल, हीरा लाल, रामदेव (अमीन,) नजरू, छोटेलाल, नीरज बौद्ध व के पी सविता (बौद्ध) आदि रहे।

एजीआई हम मनुष्यों का 'आखिरी आविष्कार' साबित नहीं होगी

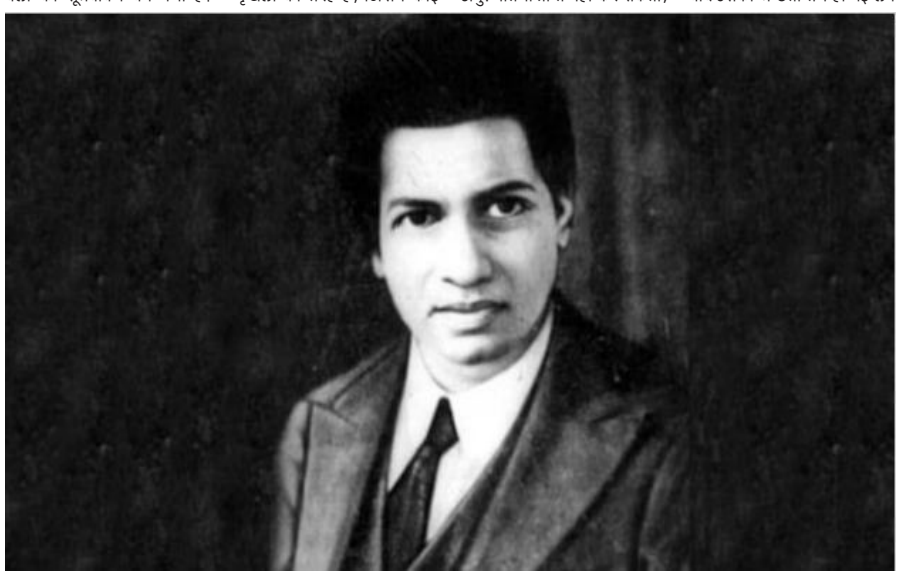

1960 के दशक में गणितज्ञ आईजे गुड ने एक विचार सामने रखा था, जो तब से सिलिकॉन वैली का सूत्रवाक्य बन गया है। उन्होंने कहा था कि यदि हम एक अल्ट्रा-इंटेलिजेंट मशीन बनाएं, तो वह और भी बेहतर मशीनें डिजाइन कर सकेगी। तब एक ऐसी बुद्धिमत्ता का विस्फोट होगा, जो मनुष्य की बुद्धि-क्षमताओं को बहुत पीछे छोड़ देगा। ऐसे में इस तरह की पहली मशीन मनुष्य का 'आखिरी आविष्कार' साबित होगी। यह भविष्यवाणी- जो कभी साइंस-फिक्शन की बात थी- आज दुनिया की शक्तिशाली संस्थाओं का मकसद बन गई है। लेकिन अगर हम यह मान भी लें कि भविष्य की प्रणालियां आज के मॉडलों से कहीं आगे बढ़ते हुए नए समाधान जनरेट कर सकती हैं, फिर भी 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत सवालों के दायरे में रहेगा। हमें याद रखना चाहिए कि इनोवेशन किसी आइडिया से लेकर उसके इम्पैक्ट तक बिना किसी रुकावट वाली दौड़ के समान नहीं होता है। इसके बजाय खोज की प्रक्रिया एक शृंखला की तरह है, जिसमें कोई सबसे कमजोर कड़ी भी हो सकती है। ये कमजोर कड़ियां ही मानव-प्रगति का अधिकांश हिस्सा निर्धारित करती हैं। 1986 में, स्पेस शटल चैलेंजर अपने प्रक्षेपण के 73 सेकंड बाद ही धराशायी हो गया था। इसलिए नहीं कि उसके विश्व स्तरीय इंजनों या सॉफ्टवेयर में कोई खराबी आ गई थी, बल्कि इसलिए क्योंकि एक छोटा-सा रबर सील ठंडे वायुमंडलीय तापमान के संपर्क में आने पर फेल हो गया था। उसे ओ-रिंग कहकर पुकारा गया। वह उन महत्वपूर्ण अड़चनों का एक रूपक बन गया है, जो सबसे परिष्कृत प्रणालियों को भी नाकाम बना सकती हैं। कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (एजीआई) भले ही आरंभिक चरणों ?वाली किसी मेडिकल रिसर्च में नाटकीय रूप से तेजी ला सकती हो, लेकिन अगर वह क्लिनिकल ट्रायल्स को आगे नहीं बढ़ा सकती, मैन्युफैक्चर नहीं कर सकती या रेगुलेटरी अनु?मतियां प्राप्त नहीं कर सकती, तो उसका तथाकथित ब्रेक-थ्रू कभी ऐसा आविष्कार नहीं बन पाएगा, जो हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। जब खोज के शुरुआती चरण ऑटोमैटेड हो जाते हैं, तब भी मनुष्य की भूमिका समाप्त नहीं हो जाती; वह बस शेष बाधाओं की ओर स्थानांतरित हो जाती है। और ये वैसी चुनौतियां होती हैं, जिनमें निर्णय, अंतर्निहित ज्ञान और व्यावहारिक कौशल ही सर्वाधिक मायने रखते हैं। एजीआई को न केवल मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा; बल्कि उसे एजीआई का उपयोग करके ऐसा करना होगा। अगर 'अंतिम-आविष्कार' वाले सिद्धांत को सच साबित होना है, तो हम मनुष्यों को एआई के साथी या सुपरवाइजर के रूप में भी गैर-जरूरी साबित हो जाना होगा। यह अभी बहुत दूर की कौड़ी रही थी। लेकिन 2023 में शोधकर्ताओं ने दिखाया कि शीर्ष इंजनों को उनके प्रशिक्षण से बाहर असामान्य स्थितियों में ले जाया जाए तो मामूली कंप्यूटिंग कौशल वाला एक मनुष्य भी उन्हें हरा सकता है। मनुष्यों द्वारा दिए जाने वाले इनपुट्स आज भी सबसे ज्यादा वैल्यू-एड करने वाले होते हैं। 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत यह भी मानता है कि तमाम प्रासंगिक सूचनाओं को कोडिफाई किया जा सकता है, लेकिन ऐसा आमतौर पर नहीं होता। जटिल प्रणालियों को चलाने वाली सूचनाएं अकसर बिखरी हुई, स्थानीय और अनकही होती हैं। नॉलेज कोई पोर्टेबल चीज नहीं है। ऐसे में एजीआई को मनुष्यता का अंतिम आविष्कार करार देना एक अतिरंजित दावा है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,कार्ल बेनेडिक्ट फ्रे)

हम केवल आमदनी के लिए ही कोई काम नहीं करते हैं

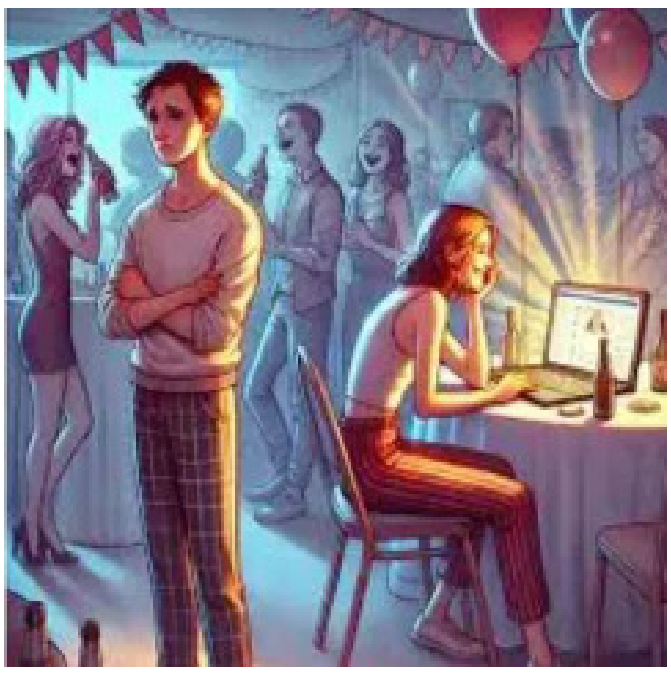

कर्ट वोनेगट ने अपने उपन्यास 'प्लेयर पियानो' (1952) में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की थी, जहां मशीनों ने अधिकांश उद्योगों को ऑटोमैट कर दिया है और केवल कुछ इंजीनियर तथा मैनेजर ही व्यवस्था की निगरानी के लिए बचे हैं। बाकी सभी लोगों के भोजन और आवास की व्यवस्था सरकार करती है, लेकिन उनके पास करने के लिए कोई काम नहीं है। क्या वोनेगट की यह कल्पना दूरदर्शी सिद्ध हुई है? यह कहना तो अभी संभव नहीं है कि एआई हमारी वर्कफोर्स के एक बड़े हिस्से को अनावश्यक बना देगा। लेकिन इतना हम जरूर जानते हैं कि एआई मनुष्य-जीवन के मायनों के सामने गम्भीर चुनौतियां प्रस्तुत करने लगा है। यदि हमारे अधिकांश काम ऑटोमैट हो जाते हैं, तो औसतन हम अधिक समृद्ध होंगे। इससे संतोष का स्तर बढ़ना चाहिए। अलबत्ता शोध बताते हैं कि जब आपकी आय दोगुनी हो जाती है तो जीवन का मूल्यांकन करने के आपके पैमाने भी उतनी ही मात्रा में कठोर हो जाते हैं। लेकिन जीवन के कोई मायने होना एक अलग विषय है। हम जो काम करते हैं, उससे हमें केवल आमदनी ही नहीं मिलती, वह हमारी पहचान का भी एक हिस्सा होता है। दूसरी तरफ, अगर हमारे पास करने को कुछ न हो तो यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, फिर भले ही हमें पूरी आमदनी मिल रही हो। वेतन के साथ-साथ काम व्यक्ति को जीवन में अनुशासन, लगाव की भावना, सामाजिक प्रतिष्ठा और किसी उद्देश्य में योगदान देने का एहसास भी देता है। इन गुणों का री-डिस्ट्रीब्यूशन पैसों की तरह नहीं किया जा सकता। वास्तव में, एआई कम से कम तीन तरीकों से जीवन के मायनों के लिए चुनौती उत्पन्न करता है। आपके उद्देश्य-बोध को कमजोर करने के लिए एआई का आपसे बेहतर होना आवश्यक नहीं है; उसका केवल 'फंक्शनल' तरीके से ठीक-ठाक और कम लागत वाला होना ही पर्याप्त है। जब हम किसी असाधारण चीज से पीछे रह जाते हैं तो वो अलग बात है; लेकिन किसी ऐसी चीज द्वारा अप्रासंगिक बना दिया जाना- जो केवल 'गुड-इनफ' हो- बिल्कुल दूसरी बात है। इसके अलावा, एआई-संचालित मनोरंजन और 'कम्पैनियनशिप' (एआई को दोस्त समझकर उसी के साथ समय बिताते रहना) लोगों के समय और सामाजिक जुड़ाव की जरूरत के बड़े हिस्से को अपने कब्जे में ले सकते हैं। वे उन अधिक चुनौतीपूर्ण गतिविधियों का स्थान भी ले सकते हैं, जिनसे जीवन में मायनों का निर्माण होता है। सहज और निर्बाध निकटता का अनुभव उपलब्ध कराकर एआई उन प्रयासों, कर्तव्यों, पारस्परिकता, निःस्वार्थता और असुविधाओं को पीछे धकेल सकता है, जिनकी वास्तविक संबंधों को आवश्यकता होती है। एआई के साथ संबंध हमसे बदले में कुछ भी नहीं मांगता। वास्तव में वह संबंध के रूप में प्रस्तुत किया गया उपभोग मात्र है। डिजिटल-जीवन पहले ही मानवीय संबंधों को बदल चुका है। युवाओं में सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग जीवन में संतुष्टि की भावना के घटते चले जाने से जुड़ा पाया गया है। इसमें अभी तक एआई की भूमिका नहीं है, लेकिन इससे इतना तो पता चलता ही है कि डिजिटल माध्यमों से अधिक संपर्क मानवीय संबंधों में अधिक गहराई नहीं लाता। सच तो यह है कि जीवन में मायनों की तलाश शायद ही कभी कम्फर्ट की स्थिति से होती है। वह किसी चुने हुए उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों से ही होती है, चाहे वह अपने बच्चे का पालन-पोषण हो या किसी स्किल में महारत हासिल करना। जीवन में पीछे मुड़कर देखने पर लोग किसी सार्थक लक्ष्य के लिए किए गए संघर्ष को ही अधिक मूल्यवान मानते हैं। संभवतः यही कारण है कि अधिक समृद्ध और विकसित समाज अधिक सुविधा तो अनुभव करते हैं, लेकिन जीवन के उद्देश्यों का अधिक गहरा बोध उन्हें नहीं हो पाता। यह भी याद रखें कि अगर एआई मानवीय क्षमताओं से आगे निकल जाए, तब भी हर प्रकार का काम समाप्त नहीं होगा। कंप्यूटरों के शतरंज में मनुष्यों से बेहतर हो जाने के बाद भी लोगों ने शतरंज खेलना बंद नहीं किया है। लोग आज भी दौड़ते हैं, भोजन पकाते हैं, संगीत रचते हैं, फर्नीचर बनाते हैं और लाइव-परफॉर्मेंस को महंगे टिकट खरीदकर देखते हैं। जीवन में मायनों की तलाश शायद ही कभी कम्फर्ट की स्थिति से होती है। वह किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों से ही होती है, चाहे वह बच्चे की परवरिश हो या किसी स्किल में महारत हासिल करना। लोग किसी लक्ष्य के लिए किए गए संघर्ष को ही मूल्यवान मानतेहैं। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट, कार्ल बेनेडिक्ट फ्रे)

टूरिज्म डॉलर भी दे सकता है और जॉब्स भी

विदेशी मुद्रा पाने और नौकरियां क्रिएट करने के सबसे तेज तरीकों में पर्यटन भी है, जबकि उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। एक ऐसे समय में, जब वैश्विक अनिश्चितता, ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक झटके चालू खाते पर दबाव डाल रहे हैं, टूरिज्म हमारी अर्थव्यवस्था के लिए स्टैबलाइजर का काम कर सकता है। विदेशी पर्यटक सीधे हमारी अर्थव्यवस्था में डॉलर लेकर आते हैं। वे हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, पर्यटन स्थलों, स्मृति-चिह्नों, सांस्कृतिक अनुभवों और स्थानीय व्यंजनों पर पैसा खर्च करते हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र अपने आप में रोजगार सृजन का एक शक्तिशाली स्रोत है। पर्यटन में जुड़ा हर प्रत्यक्ष रोजगार 13 अप्रत्यक्ष रोजगारों को भी जन्म देता है। वेटर, शेफ, ड्राइवर, गाइड, शिल्पकार, होमस्टे संचालक, डिजिटल मार्केटर और हजारों-छोटे स्थानीय उद्यम इसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। जहां मैन्युफैक्चरिंग-आधारित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- जिसे दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्राथमिकता दी जाती है- साकार होने में वर्षों लेता है और सार्थक स्तर पर विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने में उससे भी अधिक समय लगाता है, वहीं पर्यटन किसी पर्यटक के निर्णयों को कुछ ही महीनों में डॉलरों में परिवर्तित कर देता है। भारत की एविएशन कंपनियों ने 2000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनकी आपूर्ति आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगी। ऊपरी तौर पर परिणाम भी मिल सकता है : भारतीयों के लिए विदेश यात्रा अधिक आसान और सस्ती हो जाएगी, जिससे कहीं अधिक मात्रा में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाएगी। पिछले चार वर्षों में भारत के विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट को लगभग शून्य तक घटा दिया गया है। परिणाम भी अपेक्षित हैं। वर्ष 2024 में भारत में 99 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए- जो महामारी-पूर्व के सर्वोच्च स्तर से लगभग 10फीसदी कम हैं। जहां भारत के सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धी देश 2019 के स्तर को पार कर चुके हैं, हम अब भी उस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। इसलिए हमारे विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट में की गई तीव्र कटौती आश्चर्यजनक है। एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर भारत के जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है, जबकि एक घरेलू पर्यटक का योगदान केवल 75 डॉलर होता है- यानी 40 गुना का अंतर। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। यानी मार्केटिंग पर खर्च किए गए प्रत्येक डॉलर पर 18 गुना रिटर्न प्राप्त होगा। केवल 55,000 अतिरिक्त पर्यटक- जो भारत के वर्तमान टूरिस्ट-बेस का मात्र 0.5फीसदी हैं- पूरे मार्केटिंग खर्च की भरपाई कर देंगे। ये कोई अनुमान नहीं हैं। ये वही परिणाम हैं, जिन्हें इन्क्रेडिबल इंडिया अभियान ने प्रत्यक्ष रूप से सिद्ध करके दिखाया था। वैश्विक पर्यटन में डिजिटल टेक्नोलॉजी बड़े बदलाव ला रही है। और यही वह क्षेत्र है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति हमारे लिए महंगी साबित हो रही है। आज पर्यटन से संबंधित कुल बिक्री का 78फीसदी ऑनलाइन होता है, 70फीसदी बुकिंग मोबाइल उपकरणों पर पूरी की जाती हैं और 45फीसदी लेन-देन ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से होता है। प्रतिस्पर्धा का मैदान अब यूट्यूब प्री-रोल्स, सोशल मीडिया एल्गोरिदम, प्रोग्रामेटिक डिस्प्ले और इन्फ्लुएंसर नेटवर्कों पर स्थानांतरित हो चुका है। ये ऐसे चैनल्स हैं, जहां व्यय को मापा जा सकता है, टारगेटिंग सटीक होती है और रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट का लगभग रियल-टाइम में आंकलन किया जा सकता है। भारत के पास बुनियादी ढांचा तो है, किंतु वह उसका लाभ उठाने में विफल रहा है। इन्क्रेडिबल इंडिया के फेसबुक पर 19 लाख और इंस्टाग्राम पर 7.85 लाख ही फॉलोअर्स हैं। इतने ही फॉलोअर्स वाले सऊदी अरब ने जहां एक ही महीने में 2.7 करोड़ कंटेंट व्यू अर्जित किए, वहीं भारत केवल 3.88 लाख व्यू तक सीमित रहा। मंच मौजूद हैं, किंतु भारत लगभग एक दशक से वैश्विक मार्केटिंग परिदृश्य से पूरी तरह अनुपस्थित है। इसकी भारी कीमत हमारे पर्यटन क्षेत्र को चुकानी पड़ रही है। केवल मार्केटिंग भी काफी नहीं होगी। हमें मिशन मोड में पर्यटन क्षेत्र को डी-रेगुलेट भी करना होगा। होटल, रेस्तरां, होमस्टे, परिवहन संचालक और पर्यटन सेवा प्रदाता अनेक लाइसेंसों, प्रक्रियाओं और निरीक्षणों के बोझ तले काम करते हैं। जो परियोजनाएं दूसरे एशियाई देशों में 18 महीनों में पूरी हो जाती हैं, उन्हें भारत में कहीं अधिक समय लगता है। एकीकृत लाइसेंस व्यवस्था, डिजिटलीकरण और स्वचालित नवीनीकरण को लागू किया जाना चाहिए। हमारे प्रत्येक राज्य को पर्यटन का अग्रदूत बनना होगा। प्रत्येक राज्य को 15 प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान कर उन्हें ऐसे समग्र पर्यटन इको-सिस्टम में विकसित करना चाहिए, जिनमें पहुंच, आवास, अनुभव, आयोजन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्थानीय उद्यम और मार्केटिंग- सभी का समावेश हो। कोई डेस्टिनेशन केवल इसलिए तैयार नहीं माना जा सकता कि वहां सड़कें, होटल या संकेतक उपलब्ध हैं। वह तभी नजरों में आता है, जब कोई यात्री उसकी विशिष्टता को खोज सके, उसकी विश्वसनीयता का आकलन कर सके, बुक किए जा सकने वाले अनुभवों की पहचान कर सके, आसानी से लेन-देन कर सके और इस बात पर भरोसा कर सके कि उसे अपेक्षानुरूप अनुभव प्राप्त होगा। पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता अब इस पर भी निर्भर करेगी कि कोई डेस्टिनेशन कंटेंट-क्रिएटर्स के अनुकूल है या नहीं, उसे आसानी से ऑनलाइन खोजा जा सकता है या नहीं, वह लेन-देन के लिए तैयार है या नहीं और उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। हमें कंटेंट-क्रिएशन अर्थव्यवस्था को भी पर्यटन की एक रणनीति के रूप में अपनाना होगा। सरकारी अभियान जागरूकता उत्पन्न कर सकते हैं, किंतु विश्वास का निर्माण कंटेंट-क्रिएटर्स करते हैं। एक उत्कृष्ट वीडियो वह प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, जो कोई ब्रोशर नहीं कर सकता। 2.83 लाख नए रोजगार... एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

क्या भारतीय पैरेंटिंग किसी भी पश्चिमी शैली से अधिक बेहतर हो सकती है?

अमेरिका में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों पर साल भर तक चले एक लंबे अध्ययन में पाया गया कि जब श्वेत बच्चे टीवी प्रोग्राम्स में अलग-अलग नस्लों के लोगों को साथ देखते हैं तो इससे उनके मन में किसी के प्रति भेदभाव विकसित नहीं होता। इस सोमवार को जर्नल ऑफ अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट्स में प्रकाशित एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि जिन टीवी प्रोग्राम्स में क्लासिज्म दिखता है, यानी मुख्य किरदार शाही घरानों से होते हैं और सहायक किरदारों को उनसे कम अमीर या कम समझदार दिखाया जाता है तो इससे बच्चों में भेदभाव विकसित हो सकता है। इस खबर ने मुझे बचपन याद दिला दिया, जब हमारे पैरेंट्स अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं की ऐसी कहानियां सुनाते थे। इन कहानियों में वही कालजयी सीख होती थीं, जो आज आधुनिक रिसर्च में भी बताई जाती हैं। भेदभाव मिटाने वाली कुछ कहानियां यहां पेश हैं। बड़े होकर श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने, जबकि सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उनके साथ ही पढ़ने वाले सुदामा गरीबी में जीवन बिताते थे। एक दिन बहुत संकोच के साथ सुदामा कृष्ण से मिलने पहुंचे और उनके पास केवल चिवड़े की पोटली थी। कृष्ण ने बड़े प्रेम से उनका स्वागत किया, गले लगाया और उन्हें अति-सम्मानित अतिथि का दर्जा दिया। सुदामा को शर्मिंदा किए बिना कृष्ण ने चुपचाप मित्र का जीवन बदल दिया। हमने सीखा : मित्रता सम्पत्ति से बड़ी होती है। वृद्ध आदिवासी महिला शबरी वर्षों तक भगवान राम की प्रतीक्षा करती रहीं। राम के आने की उम्मीद में वह रोज जंगल में रास्ता साफ करती थीं। जब राम आए तो उन्होंने प्रेम से हर बेर को पहले चखकर देखा, ताकि सबसे मीठे फल ही उन्हें दे सकें। राम ने उन्हें खुशी-खुशी स्वीकार किया, क्योंकि उनके लिए वो प्रेम किसी भी शाही भोजन से अधिक मूल्यवान था। हमने सीखा : प्रेम की कोई मर्यादा नहीं होती। याद करिए, हस्तिनापुर में दुर्योधन के भव्य भोज के निमंत्रण के बावजूद कृष्ण विदुर के साधारण घर में गए। वहां विदुर की पत्नी इतनी भावविह्वल हुईं कि उन्होंने फलों की जगह केले के छिलके ही परोस दिए। कृष्ण मुस्कुराए और उन्हें भी स्वीकार किया, क्योंकि वे सच्चे प्रेम से परोसे गए थे। हमने सीखा : प्रेम से भरा घर महल से अधिक समृद्ध होता है।

सत्यकाम ऋषि गौतम के गुरुकुल में पढ़ना चाहते थे। जब सत्यकाम से उनके परिवार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ईमानदारी से कहा कि उनकी मां को नहीं पता कि उनके पिता कौन थे। उनकी सत्यवादिता से प्रभावित ऋषि ने कहा कि इतनी ईमानदारी भरे शब्द कोई श्रेष्ठ व्यक्ति ही बोल सकता है और उन्हें अपना शिष्य बना लिया। हमने सीखा : ईमानदारी ही आपकी सबसे बड़ी पहचान है। संत रविदास जूते बनाकर आजीविका चलाते थे, जिसे कई लोग छोटा काम मानते थे। लेकिन उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और भक्ति ने उन्हें भारत के महान संतों में से एक बनाया। राजा, रानी और विद्वान उनसे मार्गदर्शन लेते थे, क्योंकि वे संत के चरित्र का सम्मान करते थे, पेशे का नहीं। हमने सीखा :हर पेशा सम्मान के योग्य है।गुजरात के प्रिय संत-कवि नरसी मेहता ने भगवान और मानवता के प्रति समर्पित एक सरल जीवन जिया। उनका प्रसिद्ध भजन 'वैष्णव जन तो' सिखाता है कि श्रेष्ठ वही है, जो दूसरे का दुःख समझे और बिना किसी प्रशंसा या पुरस्कार की अपेक्षा किए उसकी मदद करे। उनके जीवन ने पीढ़ियों को हर इंसान के प्रति करुणा रखना सिखाया। हमने सीखा : दूसरे का दर्द महसूस करिए। भगवान विट्ठल के समर्पित भक्त होने के बावजूद संत चोखामेला को भेदभाव झेलना पड़ा और सामाजिक परंपराओं के कारण उन्हें अकसर मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाता था। फिर भी उन्होंने आस्था नहीं छोड़ी। उनके भक्ति गीत इतने प्रभावशाली बने कि आज भी पंढरपुर वारी के लाखों श्रद्धालु उन्हें गाते हैं। हमने सीखाः भक्ति की कोई जाति नहीं होती। राजा रंतिदेव की कहानी बताती है कि कई दिनों भूखे रहने के बाद भी उन्होंने अपना भोजन दूसरों को दिया।उनका मानना था कि जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है। हमने सीखा : आपके पास थोड़ा हो, तब भी बांटिए और दया का कोई दर्जा नहीं होता। फंडा यह है कि यदि हम बच्चों को सोने से पहले यह कहानियां वापस सुनाने लगें तो शर्तिया ही हम हमेशा दुनिया के सबसे अच्छे पैरेंट्स बने रहेंगे। एन. रघुरामन

शेख हसीना की फांसी लगभग तय हैं फिर भी बांग्लादेश क्यों जाना चाहती हैं- क्या भारत का रुख बदल गया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। अगस्त 2024 में

तख्तापलट के बाद वो भागकर भारत आ गई थीं। उन्हें बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने मौत की सजा सुनाई हैं। बांग्लादेशी नेता कह रहे- वापस आने पर इस सजा को अंजाम दिया जाएगा। सवाल-1: शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की बात कहां से उठी? जवाबः ये चर्चा शेख हसीना के ही बयानों से शुरू हुई। उन्होंने 29 जून को एक टीवी चैनल से ई-मेल इंटरव्यू में कहा-'मुझे मौत का डर नहीं है। मैंने 1975 में अपना पूरा परिवार खो दिया था। 21 अगस्त को ग्रेनेड से मेरी हत्या की कोशिश हुई। मैं हर साजिश से लड़ते हुए बांग्लादेश की अवाम के साथ खड़ी रही और वोट से 5 बार पीएम चुनी गई। मेरी पूरी जिंदगी बांग्लादेश की जनता, अवामी लीग (हसीना की पार्टी) और बांग्लादेश के हित से जुड़ी रही है। मैं हर रुकावट, हर साजिश को पार करते हुए इस साल अपने मुल्क लौटूंगी।' इसके बाद 10 जुलाई की सुबह हसीना ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को भी टेलीफोनिक इंटरव्यू में बताया कि दिसंबर 2026 तक भारत से बांग्लादेश लौटेंगी और अपनी पार्टी के कुछ और निर्वासित नेताओं के साथ सरेंडर करेंगी। शेख हसीना ने कहा, 'हो सकता है कि लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर लें, वे मुझे मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा। मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का भयानक तरह से दमन हो रहा है।' हसीना की सरकार में गृहमंत्री रहे असदुज्जमान खान भी निर्वासित हैं, उनको भी मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर अदालत में आत्मसमर्पण करेंगे।' सवाल-2: बांग्लादेश लौटने पर उनके साथ क्या-क्या हो सकता है? जवाबः शेख हसीना पर उनके खिलाफ आंदोलन करने वाले स्टूडेंट्स की हत्याओं के लिए पुलिस और सेना

5 अगस्त 2024 को हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना हेलिकॉप्टर से दिल्ली आ गईं थीं।

को आदेश देने का आरोप है। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल, यानी आईसीटी-बीडी नवंबर में शेख हसीना को मौत की सजा सुना चुकी है। ये पहली बार है, जब बांग्लादेश में किसी पूर्व पीएम को मौत की सजा सुनाई गई है। अब अगर शेख हसीना बांग्लादेश जाकर सरेंडर करती हैं, तो उन्हें गिरफ्तार करके फांसी देने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। हालांकि ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील भी की जा सकती है। हसीना की पार्टी अवामी लीग पर बांग्लादेश में बैन है। इसलिए गिरफ्तारी पर किसी बड़े विरोध प्रदर्शन की भी उम्मीद कम है। पुलिस इसे कुचल सकती है। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान के स्ट्रैटेजिक एडवाइजर जाहिद-उर-रहमान ने कहा है, 'देश की जनता चाहती है कि उनके जुर्म के लिए उन्हें मौत की सजा दी जाए। अगर वो वापस आईं, तो इस सजा को अंजाम दिया जाएगा। जनता यही चाहती है। उन्हें दुनिया के सबसे अच्छे वकील लाने दो।'

2 बड़ी वजहें हैं- बांग्लादेश की राजनीति में वापसी की कोशिश- प्रतिबंध के बावजूद अवामी लीग एक्टिव हो रही है। कार्यकर्ता एकजुट हो रहे हैं। 23 जून को पार्टी ने 77वां स्थापना दिवस मनाया, तो दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। बीते हफ्ते शेख हसीना के खिलाफ हुई एक रैली के दौरान बम धमाका हुआ। इसमें 3 लोग घायल हुए, जबकि मंच पर शेख हसीना के खिलाफ स्टूडेंट मूवमेंट के प्रमुख चेहरे नाहिद इस्लाम समेत नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कई नेता मौजूद थे। अवामी लीग के नेता कह रहे हैं कि उसका दौर इस सरकार से कहीं बेहतर था। 2009 से 2024 तक हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश कपड़े के एक्सपोर्ट में बांग्लादेश दुनिया का बड़ा सेंटर बना, लाखों लोग गरीबी से बाहर आए। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

में स्ट्रैटेजिक स्टडीज प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर विवेक मिश्र कहते हैं कि अब शेख हसीना को लगने लगा है कि दोबारा बांग्लादेश में ताकत से खड़े होने का मौका है और सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सकता है। अल-जजीरा के मुताबिक, हसीना विदेश से ही पार्टी को दोबारा मजबूत करने की कोशिशें कर रही हैं। वो 100 से ज्यादा संसदीय इलाकों में अपनी पार्टी के लोगों के साथ ऑनलाइन बैठकें कर रही हैं। इंटरव्यू में हसीना ने कहा, 'अवामी लीग पर कई हमले हुए, बैन लगाया गया, लेकिन जनता की ताकत से पार्टी दोबारा उठ खड़ी हुई। ऐसी कोशिशों में वो पहले भी फेल हुए हैं, दोबारा होंगे। बैन लगाकर पार्टी के एक्स्ट्रा जिम्मेदारी जैसा है। एक निर्वासित नेता को रखना आसान नहीं होता। शेख हसीना के साथ अमेरिका का भी सपोर्ट नहीं है। बांग्लादेश और चीन बहुत नजदीक आ चुके हैं। ऐसे में भारत तारिक रहमान के दौर में बांग्लादेश से अच्छे रिश्ते चाहता है।' इसके संकेत भी मिलने लगे हैं। जब तारिक रहमान पीएम बने, तो पीएम मोदी बधाई देने वाली शुरुआती नेताओं में से एक थे। बीएनपी ने पीएम मोदी की बधाई को हाईलाइट किया और अच्छे रिश्तों की उम्मीद जताई। अगले ही दिन बीएनपी के सीनियर नेता सलाहुद्दीन अहमद ने भारत से शेख हसीना का प्रत्यर्पण करने की पार्टी की मांग दोहराई। तारिक ने भी कहा कि कानूनी प्रक्रिया के हिसाब से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की जाएगी। सवाल-4: तो क्या भारत दबाव में हसीना को वापस भेज देगा? जवाबः दिसंबर 2024 से अब तक बांग्लादेश कई बार भारत को हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध भेज चुका है। 14 जुलाई को भी भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है- पूर्व पीएम (शेख हसीना) के मामले में हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। प्रत्यर्पण का मामला कानूनी मुद्दा है, उसी तरीके से निपटा जाएगा। इस बयान और भारत के रुख का मतलब समझिए- दरअसल, 2013 में हसीना के पीएम रहते भारत-बांग्लादेश में प्रत्यर्पण संधि हुई। खास तौर पर सीमाई इलाकों में घुसपैठियों और अपराधियों के प्रत्यर्पण को लेकर। संधि के मुताबिक, अगर किसी देश में मौजूद दूसरे देश के अपराधी को एक साल या उससे ज्यादा कैद की सजा मिले और अपराध ऐसा हो, जिसमें दोनों देशों में सजा होती हो, तो प्रत्यर्पण हो सकता है। 2016 में संशोधन के तहत अपराध का सबूत देने की भी जरूरत नहीं है, सिर्फ अपने यहां की कोर्ट से जारी वारंट देना काफी है।

हालांकि संधि में 3 आर्टिकल हैं, जिनके जरिए भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है- आर्टिकल 6- अगर अपराध राजनीतिक हो: हसीना को कई हत्याओं के मामले में सजा हुई है। इसलिए ये आर्टिकल लागू होना मुश्किल है। आर्टिकल 7- आरोपी पर दूसरे देश में भी कोई मामला चल रहा हो: शेख हसीना के मामले में ऐसा नहीं है। आर्टिकिल 8- अगर आरोप न्याय के लिए नहीं, बल्कि गलत तरीके से लगा हो: भारत कह सकता है कि हसीना के खिलाफ आरोप सही नहीं हैं और बांग्लादेश लौटने पर उनको राजनीतिक उत्पीड़न झेलना पड़ सकता है। 9 जुलाई को बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि हसीना को लाने के लिए लगातार कोशिश जारी है। प्रत्यर्पण इंटरनेशनल नियमों और कानून के तहत होता है, इसलिए इसमें समय लगता है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत इस मामले में सहयोग कर रहा है, तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया। विवेक मिश्र कहते हैं कि बांग्लादेश में जब तक अंतरिम सरकार थी, तब तक भारत ने इस मुद्दे को टाले रखा। अब बांग्लादेश में स्थायी सरकार है। इसलिए भारत को जवाब देना होगा। ये बात शेख हसीना भी समझती हैं।' सवाल-5: बांग्लादेश में हसीना के पास सजा से बचने का कोई रास्ता है? जवाबः बांग्लादेश में मौत की सजा से बचने के लिए हसीना के पास 2 रास्ते हैं- ट्रिब्यूनल में ही सजा को चुनौती दें और केस जीत जाएं- ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ हसीना वहीं अपील कर सकती हैं। हालांकि अपील की समयसीमा 30 दिन की है, लेकिन मार्च 2026 में हसीना के वकील ट्रिब्यूनल को पत्र भेजकर सजा को अवैध बताकर इसे रद्द करने की मांग कर चुके हैं।

ह्यूमन राइट्स वाच और एमनेस्टी इंटरनेशनल भी बिना सुनवाई के हुई इस सजा पर चिंता जता चुके हैं। इसलिए हो सकता है, हसीना को ट्रिब्यूनल सुनवाई में शामिल होने का मौका दे दे। हालांकि ट्रिब्यूनल से हसीना आरोपों से बरी हो जाएं, ये मुश्किल है। सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करके स्टे ले लें- हसीना सरेंडर से पहले ही इस फैसले के खिलाफ बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट फैसले पर सुनवाई शुरू कर सकता है या फिर स्टे दे सकता है। हालांकि बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट पर सत्ता का प्रभाव रहता है। मसलन-दिसंबर 2014 में हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश की पार्टी जमात-ए-इस्लामी के नेता अजहरुल इस्लाम को 1971 में नरसंहार, मर्डर, रेप जैसे मामलों में ट्रिब्यूनल ने मौत की सजा दी। अजहरुल ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन उसने सजा बरकरार रखी।

फिर हसीना के तख्तापलट के बाद मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। इसी तरह हसीना की सरकार ने 2013 में जमात को बैन किया था। हसीना के हटने के बाद यूनुस सरकार ने जमात पर से बैन हटा दिया। 2013 से 2016 के बीच हसीना के दौर में भी अब्दुल कादर मोल्ला, मोतीउर रहमान निजामी जैसे 5 जमात नेताओं और बीएनपी के सलाउद्दीन कादर चौधरी को फांसी की सजा सुनाई गई। ये लोग सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन अपील खारिज कर दी गई और इन सभी को फांसी हो गई।

यूक्रेन के हमले से रूस में भी होर्मुज जैसा संकट, जहाजों की आवाजाही रुकी, 9 दिन में 116 जहाजों पर हमले हुए

मॉस्को। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका असर सिर्फ रूस के तेल व्यापार तक सीमित नहीं

रहेगा। इससे गेहूं, सूरजमुखी के तेल और दूसरे कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ सकता है, जिन पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लागू नहीं हैं। अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्लू) का कहना है कि यूक्रेन के हमलों का मकसद क्रीमिया को रूस की सप्लाई लाइन से अलग करना और समुद्री रास्तों से होने वाले तेल व अनाज के निर्यात को बाधित करना है। रूस में गेहूं की कीमतें बढ़ने लगीं- रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के करीब 25फीसदी गेहूं का निर्यात एजोव सागर के रास्ते होता है। अगर यह संकट जारी रहा तो रूस को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। रूस दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है और वैश्विक गेहूं निर्यात का लगभग 20फीसदी हिस्सा अकेले रूस से आता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के करीब 25फीसदी गेहूं का निर्यात एजोव सागर के रास्ते होता है। अगर यह संकट जारी रहा तो रूस को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है।एजोव सागर में संकट बढ़ने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं के वायदा भाव (फ्यूचर्स) भी बढ़ने लगे हैं।रूस का दावा है कि वह अपने गेहूं का निर्यात ब्लैक सी के दूसरे बंदरगाहों से कर सकता है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि निर्यात के सबसे व्यस्त मौसम में दूसरे बंदरगाहों की क्षमता इतनी नहीं है कि वे पूरा भार संभाल सकें। रूस के लिए एजोव सागर इतना खास क्यों है- एजोव सी यूक्रेन और रूस के बीच स्थित एक अंदरूनी समुद्र है, जो केर्च स्ट्रेट के जरिए ब्लैक सी से जुड़ा है। 2003 में यूक्रेन और रूस ने इस समुद्री क्षेत्र को साझा इस्तेमाल करने का समझौता किया था। लेकिन 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के बाद रूस ने इस समझौते का कई बार उल्लंघन किया। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस ने एजोव सागर के आसपास के लगभग पूरे यूक्रेनी तट पर कब्जा कर लिया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे रूस का समंदर तक बता दिया था। आकार में छोटा होने के बावजूद, एजोव सागर रूस की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है।सोवियत काल में विकसित हुए नदियों और नहरों का विशाल नेटवर्क इसी समुद्री मार्ग से जुड़ता है। इसके जरिए दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, सूरजमुखी का तेल, इस्पात और अन्य सामान पहले ब्लैक सी और फिर दुनिया के कई देशों तक पहुंचाया जाता है।

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हर जान कीमती हैं, केंद्र-दिल्ली सरकार को आदेश- रोजाना मेडिकल जांच हो

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान

कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को वांगचुक को सरकार की ओर से सिर्फ खामोशी मिली है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और उसका रवैया क्रूर है।

वांगचुक 19 दिन से भूख हड़ताल पर

उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी डॉक्टर वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनका वजन 8.9किग्रा तक गिर गया है। सीजेपी का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग- कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नीट पेपर लीक के विरोध में 20 जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वांगचुक भी उनके आंदोलन में शामिल हैं। सीजेपी चीफ जस्टिस सूर्यकांत के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करने के बाद बनी थी। सीजेपी ने आरोप लगाया कि छात्रों के लिए आवाज उठाने वाले लद्दाख को राज्य बनाने की मांग, वांगचुक 170 दिन जेल में रहे- वांगचुक इससे पहले लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उन पर आरोप था कि अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया। इरोम ने 16 साल तक अनशन किया, जानें ऐसी ही 5 हड़तालें-देश में पहले भी कई नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर लंबी भूख हड़ताल कर चुके हैं। महात्मा गांधी से लेकर जी.डी. अग्रवाल तक कई लोगों ने अनशन का सहारा लिया। सबसे लंबी भूख हड़ताल का रिकॉर्ड इरोम शर्मिला के नाम है। इरोम शर्मिला ने मणिपुर से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफ्स्पा) हटाने की मांग को लेकर करीब 16 साल (2000-2016) तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उन्हें जीवित रखने के लिए नाक के जरिए तरल आहार (फोर्स-फीडिंग) दिया जाता था।

सीबीआई का दावा-लातूर कोचिंग संचालक ने नीट का पेपर खरीदा, केमिस्ट्री के 132 प्रश्न मिले, 111 असली पेपर से मैच

लातूर। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में बुधवार

को स्पेशल कोर्ट में बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र के लातूर की कोचिंग सेंटर संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर ने एनटीए के पेपर सेटर से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने के लिए रु5 लाख दिए थे। आरोपी मोटेगांवकर के मोबाइल से मिले हस्तलिखित नोट्स में 132 प्रश्न मिले, जिनमें से 111 प्रश्न एनटीए के मास्टर प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। मोटेगांवकर का बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास भी जाता था। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया। सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया- सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया है, जिसमें रसायन केमिस्ट्री के 132 हाथ से लिखे प्रश्नों वाली 36 तस्वीरें (पांच डुप्लिकेट तस्वीरें) मिली हैं। सीबीआई ने अपने जवाब में कहा कि इनमें से 111 प्रश्न नीट (यूजी) 2026 के लिए तैयार किए गए एनटीए के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते हैं। एजेंसी ने कहा कि

मोटेगांवकर ने कुलकर्णी की केमिस्ट्री ट्यूटोरियल क्लासेस में दिए गए पेपर से हैंड रिटन नोट्स तैयार किए थे। सीबीआई ने मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, बिहार पुलिस ने मामले में अलग से 30 लोगों को गिरफ्तार किया था।

शिवराज पहले पार्ट-टाइम टीचर था, आज रु1500 करोड़ की संपत्ति- कोचिंग संचालक मोटेगांवकर का महाराष्ट्र के लातूर में रेनुकाई करियर सेंटर (आरसीसी) है। पहले यह मामूली पार्ट-टाइम टीचर था। आज नेटवर्थ रु1500 करोड़ बताई जा रही है। सीबीआई का आरोप है कि मोटेगांवकर की पेपर लीक नेटवर्क से पुरानी सांठगांठ रही है। भास्कर ने इस कोचिंग में पढ़ने वाले नीट 2025 में सफल छात्रों की पड़ताल की। इसमें 19 छात्रों का एम्स में सिलेक्शन हुआ था।

2 छात्रों का एम्स दिल्ली, 5 का हैदराबाद और 3-3 का भोपाल व वाराणसी एम्स में सिलेक्शन हुआ। नागपुर, देवघर, गोरखपुर, राजकोट, रायपुर और मंगलगिरी एम्स में भी एक-एक छात्र पहुंचे। मोटेगांवकर अमीर छात्रों को टारगेट करता था-सूत्रों के मुताबिक मोटेगांवकर ऐसे छात्रों को निशाना बनाता था, जो आर्थिक रूप से मजबूत हों और पढ़ाई में औसत से बेहतर हों। परिजनों से डील के बाद इन्हें रेगुलर बैच में शामिल किया जाता था। परीक्षा से पहले आखिरी 15 दिनों में 'वन-ऑन-वन मेंटरिंग कोर्स' चलता था। पेपर मिलते ही इन छात्रों को सवाल-जवाब रटवाए जाते थे। सीबीआई को इससे जुड़े कई वीडियो भी मिले हैं। सीबीआई के मुताबिक मोटेगांवकर कई साल से पुणे की ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए प्रो. पीवी कुलकर्णी और मनीषा मांढरे के संपर्क में था।

नेटवर्क में शामिल गुरुग्राम के यश यादव ने जयपुर के विकास बिवाल को नीट पेपर बेचा था। उसे पेपर नासिक के शुभम खैरनार से मिला था। शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर का एक वीडियो भी वायरल है। इसमें वो अपने कोचिंग सेंटर की कुछ स्टूडेंट्स से एग्जाम पर चर्चा करता नजर आ रहा है। वीडियो में वह मराठी में स्टूडेंट्स से एग्जाम के बारे में पूछता है। इस पर एक स्टूडेंट्स बोलती है- हां मॉक टेस्ट वाले सभी सवाल एग्जाम में आए थे।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं,शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रतिदिन प्रातः 10 से 12 बजे तक अधिकारी कार्यालयों में बैठकर करें जनसुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का स्थलीय सत्यापन कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतकर्ता को समयबद्ध न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से बैठकर जनसुनवाई करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित समाधान हो सके। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि तहसील एवं विकास खंड मुख्यालयों पर भी नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित कर फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए उनका मौके पर ही यथासंभव निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान से आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

जिलाधिकारी के अनुमोदन से सहकारी समितियों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक आवंटित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र के अनुमोदन से खरीफ अभियान-2026 के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर जनपद की सहकारी समितियों एवं इफको केन्द्रों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक का आवंटन स्वीकृत किया गया है। इसके अंतर्गत 70 सहकारी समितियों को कुल 1017.00 मीट्रिक टन यूरिया तथा 73 सहकारी समितियों एवं इफको के 12 केन्द्रों को कुल 1155.00 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया है। स्वीकृत आवंटन के अनुरूप पीसीएफ द्वारा संबंधित समितियों एवं उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उर्वरक भेजने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। किसान उचित मूल्य पर खरीदें उर्वरक, उपलब्धता की लें जानकारी:- जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त किसान बंधुओं से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक बिक्री केन्द्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित एवं उचित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को समयबद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई एवं उत्पादन प्रभावित न हो। कालाबाजारी एवं ओवररेटिंग पर होगी सख्त कार्रवाई:-जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी किसान को ऐसी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो वह तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9198788248 एवं 9451637073, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 9452165778 अथवा अपर जिला कृषि अधिकारी के मोबाइल नंबर 8881173660 पर सूचना दें। प्राप्त शिकायतों पर प्रशासन द्वारा तत्काल जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आदिवासी परिवारि जन अनादार नहीं आस्था के केन्द्र हैं-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/कोन। कोन ब्लॉक के चकरिया ग्राम पन्चायत में पेड़ है तो प्राण है अभियान के तहत सभी परिवारि जनो को सैकड़ों फलदार पौधे वितरित किए गये किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा के नेतृत्व में आज चकरिया के लोगों के साथ मिलकर जल जंगल जमीन को बचाने को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संदीप मिश्रा ने कहा कि आज ये केन्द्र सरकार जो सोनभद्र की सासो का सौदा अपने स्वार्थी सहयोगी सेठो के साथ मिलकर करना चाहती है उसे किसी भी किमत पर नहीं करने दिया जायेगा एक भी अपने आदिवासी परिवारि जनो का घर उजाड़ने नहीं दिया जायेगा आज जब जनपद में यही विन्ध्य पर्वत माला के पहाड़ व सोन नदी से इतनी दूरी होने के बावजूद हमारे आदिवासी परिवारि जनो को उजाड़ कर विकास क्यों वहाँ प्लांट क्यों नहीं लगाया जाता जहां किसी को विस्थापित नहीं करना पड़ेगा न कोई पेड़ काटना पड़ेगा सरकारे जन सहयोगी होती हैं लोगों को बसाने का काम करती हैं इस तरह का जन उत्पीड़न का रवैया हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। वही पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के जिला संयोजक रामसुरत सिंह खरवार ने कहा की एक भी कम्पनी नहीं लगने दिया जायेगा चाहे जान चली जायेगी पर हम अपने जंगल को कटने नहीं देंगे। उन्होने कहा कि कोरोना में हमारे औषधीय पौधों के कारण एक मरीज इस पूरे एरिया में नहीं हुए ऐसे औषधीय जंगल को हम कटने नहीं देन्गे केवल कागजों पर ही स्वर्णिम काल है इतनी खराब व्यवस्था हमने नहीं देखा आज के कार्यक्रम में राजू पासवान जोगेन्द्र यादव राम बहाल खरवार विन्दू अगरिया गुलाब चेरो मुनिया खरवार प्रमिला खरवार सत्रुधन बिन्द आकाश चौहान दिनेश चेरो व सुरेस मौर्य व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट के तहत सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अपराध से अर्जित रु28 लाख मूल्य के दो वाहन कुर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राजेश कुमार राय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल श्री बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई करते हुए अपराध से अर्जित संपत्ति के रूप में प्रयुक्त दो वाहनों को कुर्क किया गया। उक्त कार्रवाई थाना शाहगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-01/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम से संबंधित प्रकरण में की गई। विवेचना के दौरान अभियुक्तों द्वारा अपराध से अर्जित धन से खरीदे एवं प्रयुक्त किए जा रहे वाहनों का चिन्हीकरण कर आख्या जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र को प्रेषित की गई। जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र द्वारा निर्गत कुर्की आदेश के अनुपालन में दिनांक 14.07.2026 को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत दोनों वाहनों को विधिवत कुर्क किया गया। कुर्क किए गए वाहनों का विवरण- 1. प्रकाश माहखुड़ पुत्र बसन्त माहखुड़, निवासी ग्राम मंगलपुर कुसुपंगा, थाना कंटा बानिया, जनपद ढेंकानाल (ओडिशा)। वाहनः ट्रक संख्या ओडी-06बी-7503, अनुमानित मूल्यः रु8,00,000, 2. निरंजन बग्घा पुत्र गनेश बग्घा, निवासी ग्राम हरेकृष्णापुर, थाना इतामाती, जनपद नयागढ़ (ओडिशा)। वाहनः डीसीएम संख्या ओडी-02 सीबी-5536 अनुमानित मूल्यः रु20,00,000 कुर्की की कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 2. उपनिरीक्षक सुभाष यादव, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 3. हेड कांस्टेबल राज सिंह राणा, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 4. हेड कांस्टेबल राजीव कुमार, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र।

मानसून में बढ़ते फूड पॉइजनिंग के केस, ये लक्षण इग्नोर न करें, बचाव के लिए सावधानियां, बता रहे हैं डॉक्टर

जयपुर। बारिश के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। इससे खाने-पीने की चीजों में बैक्टीरिया और वायरस जल्दी पनपते हैं। यही वजह है कि इस मौसम में फूड पॉइजनिंग ज्यादा होती है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स खाना खाने से। अधपका मीट, अंडा खाने से। बिना धुले फल-सब्जियां खाने से। बिना हाथ धुले खाना पकाने से। गलत फूड स्टोरेज से। एक्सपायर्ड फूड खाने से। बिना हाथ धुले खाने से। कच्चा-पका खाना साथ रखने से। सवाल- मानसून में फूड पॉइजनिंग के केसेज क्यों कुछ मामलों में 2-6 घंटे में उल्टी-दस्त शुरू हो सकते हैं। कई बार 12-24 घंटे बाद लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ इन्फेक्शन के लक्षण 2-3 दिन बाद भी दिखाई दे सकते हैं। सवाल- किन लोगों को फूड पॉइजनिंग का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- इन लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। जिन्हें कोई हेल्थ कंडीशन (डायबिटीज, किडनी डिजीज) है। जो बाहर का खाना या स्ट्रीट फूड ज्यादा खाते हैं। छोटे बच्चे (खासकर 5 साल से कम उम्र)। बुजुर्ग (60 साल से ऊपर)। गर्भवती महिलाएं। सवाल- बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए साफ-सफाई, सही भोजन का चुनाव और स्टोरेज का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां हमें इस समस्या से बचा सकती हैं। ताजा, गर्म खाना खाएं। बचा खाना तुरंत फ्रिज में रखें। उबला/फिल्टर्ड पानी पिएं। फल-सब्जियां धोकर खाएं। खाने से पहले हाथ धोएं। खाना पकाने से पहले हाथ धोएं। कच्चा-पका खाना अलग रखें। लंबे समय से कटे फल न खाएं। फास्ट फूड, जंक दोबारा खाने से फूड न खाएं। पहले गर्म करें। स्ट्रीट फूड खुले में बन रहा जूस न पिएं। सवाल- बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचाव के लिए खानपान में क्या बदलाव करें? जवाब- सही खानपान ही फूड पॉइजनिंग से बचाव का आसान तरीका है। नीचे देखें कि इस मौसम में क्या खाएं और क्या न खाएं। क्या खाएं- ताजा, गरम और अच्छी तरह पका हुआ खाना। घर का बना खाना। दाल, खिचड़ी, सूप जैसी हल्की डाइट। उबली या स्टीम की हुई सब्जियां। दही, छाछ जैसे प्रोबायोटिक। उबला/फिल्टर किया हुआ पानी। मौसमी फल (अच्छे से धोकर)। क्या न खाएं:- खुले में रखा खाना। स्ट्रीट फूड। बासी खाना। खुले में रखे कटे हुए फल। अधपका मीट, अंडा या सीफूड। ज्यादा तला-भुना और मसालेदार खाना। पैकेज्ड फूड। बिना धुले फल-सब्जियां। सवाल- अगर बाहर खाना मजबूरी हो तो किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- बाहर ऐसी जगह खाएं, जहां साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता हो। इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखें- बहुत ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगह न जाएं। खाना खाने से पहले हाथ जरूर धोएं। बोतलबंद या पैक्ड पानी ही पिएं। ताजा और गरम खाना ही ऑर्डर करें। खुले में रखा या पहले से बना खाना न लें। कच्चा सलाद, कटे फल और चटनी न लें। खाने का स्वाद अजीब हो तो तुरंत छोड़ दें। बर्फ वाले ड्रिंक्स न पिएं। कच्चा या अधपका नॉनवेज न खाएं। एक्सपायरी डेट देखकर ही पैक्ड फूड खरीदें। सवाल- मानसून में घर में खाना स्टोर करते समय क्या सावधानियां बरतें? जवाब- खाना स्टोर करते समय बरतें ये सावधानियां- पका हुआ खाना ठंडा होने के बाद ही फ्रिज में रखें।खाने को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें। कच्चा और पका खाना अलग-अलग रखें। फ्रिज का तापमान सही रखें (लगभग 4डिग्री)। बासी या स्मेल वाला खाना तुरंत फेंक दें। फ्रिज और किचन की नियमित सफाई करें। बार-बार गर्म करके खाना स्टोर न करें। बारिश में फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए उल्टी, दस्त या बुखार को नजरअंदाज न करें। साफ पानी पिएं, ताजा खाना खाएं। लक्षण बढ़ें या 24-48 घंटे में राहत न मिले तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। सवाल- अगर फूड पॉइजनिंग हो जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में शरीर को हाइड्रेट रखना और डाइजेस्टिव सिस्टम को आराम देना जरूरी है। हल्के लक्षणों में घर पर देखभाल से सुधार हो सकता है, लेकिन समस्या बढ़ने पर डॉक्टर से कंसल्ट करें। फूड पॉइजनिंग में इन बातों का ध्यान रखें- ज्यादा से ज्यादा पानी, ओआरएस या नारियल पानी लें। हल्का और सुपाच्य खाना (खिचड़ी, दही, सूप) खाएं। शरीर को पर्याप्त आराम दें। खुद से एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं न लें। सवाल- फूड पॉइजनिंग का इलाज कैसे होता है? जवाब- इसका इलाज लक्षणों की गंभीरता पर निर्भर करता है, जैसेकि- डॉक्टर शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ओआरएस देते हैं। उल्टी और दस्त कंट्रोल करने के लिए दवाएं देते हैं। बैक्टीरियल इन्फेक्शन में एंटीबायोटिक देते हैं। ज्यादा कमजोरी या डिहाइड्रेशन में ड्रिप (आईवी फ्लूड) लगाया जा सकता है। सवाल- डॉक्टर को कब दिखाएं? जवाब- फूड पॉइजनिंग के इन लक्षणों को इग्नोर न करें, क्योंकि ये गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकते हैं। इन स्थितियों में डॉक्टर को जरूर दिखाएं- बार-बार उल्टी हो। दस्त के साथ ब्लीडिंग हो। तेज बुखार (103°F से ज्यादा) हो। डीहाइड्रेशन (चक्कर, सूखा मुंह, कम पेशाब) हो।

वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट में होंगे, वनडे में सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 से, टी-20 में सुपर-10 से तय होंगे और भी कुछ नियम..

स्पोर्ट्स डेस्क। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप और 2028 का टी-20 वर्ल्डकप नए फॉर्मेट में होगा। वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमों के साथ नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट लागू होगा, जिसमें सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 राउंड से चुने जाएंगे। अब तक यह सुपर-6 से चुने जाते थे। वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 की जगह सुपर-10 स्टेज खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दो नए एलिमिनेटर मुकाबले भी जोड़े गए हैं। आईसीसी ने बुधवार को नए फॉर्मेट में बदलावों को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन स्ट्रक्चर बनाया गया है। इनका ऐलान एडिनबर्ग में हुई आईसीसी की सालाना बैठक (एजीएम) के बाद किया गया। वनडे वर्ल्डकप में 14 टीमें ही हिस्सा लेंगी-वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन फॉर्मेट को थ्री-स्टेज में बदल दिया गया है। नए फॉर्मेट में सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी। इसमें रैंकिंग की आखिरी तीन टीमें (12, 13 और 14) राउंड-रॉबिन

फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी और एक टीम दूसरे राउंड में पहुंचेगी। दूसरे राउंड में 12 टीमें ही होंगी। 6-6 टीमों के दो ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और दोनों ग्रुप को मिलाकर एक बेस्ट (सातवीं) टीम तीसरे राउंड यानी सुपर-7 में पहुंचेगी। सुपर-7 में सभी सात टीमें आपस में राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में कुल 21 मैच खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल (1 बनाम 4 और 2 बनाम 3) में पहुंचेगी। इनकी विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी। 2027 वनडे वर्ल्ड कप में ऐसे तय होंगी 14 टीमें- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें खेलेंगी। इनमें दो मेजबान (साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे), रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वालिफाई करने वाली टॉप-8 टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर से आने वाली टीमें शामिल होंगी। तीसरे होस्ट नामीबिया को भी क्वालीफायर खेलना होगा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इन 14 टीमों में सबसे निचली रैंक वाली तीन टीमें (12वीं, 13वीं और 14वीं) राउंड-1 खेलेंगी, जिसमें सिर्फ एक टीम अगले दौर में पहुंचेगी। इसके बाद बाकी 11 टीमों के साथ मिलकर 12 टीमें दो ग्रुप (6-6) में खेलेंगी। दोनों ग्रुप से टॉप-3 और चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर एक टीम सुपर-7 में पहुंचेगी। सुपर-7 की सातों टीमें राउंड-रॉबिन मुकाबले खेलेंगी, जहां से टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल और फिर फाइनल के जरिए चैंपियन तय करेंगी।पुराने फॉर्मेट में दो ग्रुप और सुपर सिक्स स्टेज होती थी-पुराने फॉर्मेट में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, जिनमें कुल 42 मैच खेले जाते थे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें सुपर सिक्स में पहुंचती थीं। सुपर सिक्स में 3-3 टीमों के दो ग्रुप बनते थे, जहां कुल 9 मैच खेले जाते थे। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल और फिर फाइनल में पहुंचती थीं। वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं-नए वनडे वर्ल्ड कप फॉर्मेट में भारत और पाकिस्तान के बीच अधिकतम तीन मुकाबले हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों टीमें ग्रुप स्टेज, सुपर-7 और फिर नॉकआउट तक एक-दूसरे के सामने आ सकती हैं।

बेटा बड़ा हो रहा है, डरती हूं, कहीं गलत संगत में न पड़ जाए, उसे सही-गलत में फर्क करना, अच्छे दोस्त चुनना कैसे सिखाएं

मुंबई। सवाल- मैं लखनऊ से हूं। मेरा बेटा 12 साल का है। हाल ही में उसका स्कूल बदला है। उसने वहां कुछ नए दोस्त बनाए हैं और अब उन्हीं के साथ ज्यादा समय बिताता है। एक मां होने के नाते मुझे खुशी है कि वह घुल-मिल रहा है, लेकिन यह चिंता भी रहती है कि कहीं वह गलत संगत में न पड़ जाए। मैं हर दोस्त की जांच-पड़ताल भी नहीं करना चाहती। अपनी पहचान बनाना शुरू करते हैं। वे दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं, उनकी राय को महत्व देने लगते हैं और कई बार उनके जैसा बनने की कोशिश भी करते हैं। यही कारण है कि इस उम्र में बच्चे के दोस्त उसके व्यवहार, आत्मविश्वास, पढ़ाई और निर्णय लेने की क्षमता पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का लक्ष्य बच्चे के लिए अच्छा दोस्त ढेर सारे दोस्त बनें। इसी वजह से कई बार बच्चे दोस्तों की आदतें, भाषा, व्यवहार, रुचियों और शौक को अपनाने लगते हैं। यह विकास का सामान्य हिस्सा है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा दोस्ती में बने रहने के लिए अपनी समझ और मूल्यों को नजरअंदाज करने लगता है। अच्छा दोस्त कैसा होता है? अक्सर माता-पिता बच्चों को यह बताते हैं कि किससे दोस्ती नहीं करनी चाहिए। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी यह बताना है कि अच्छी दोस्ती कैसी होती है। आप बेटे से बातचीत के दौरान पूछ सकती हैं- ''क्या दोस्त तुम्हारी इज्जत करता है?'' ''क्या वह तुम्हारी बात सुनता है?'' ''क्या उसके साथ रहने पर तुम्हें अच्छा महसूस होता है?'' जब बच्चा इन सवालों पर सोचता है, तो वह धीरे-धीरे दोस्ती की क्वालिटी को समझना शुरू करता है। हमें बच्चों को ये बताना चाहिए कि एक अच्छे दोस्त की पहचान क्या होती है। अच्छे दोस्त की पहचान-सम्मान करता हो। भरोसेमंद हो। सच बोलता हो। मदद करने वाला हो। गलत कामों से बचाए। मजाक न उड़ाए। भावनाओं की कद्र करे। आपकी सफलता से खुश हो। मुश्किल समय में साथ दे। सकारात्मक सोच रखता हो। दोस्ती में सम्मान और भरोसा जरूरी-कई बच्चे सोचते हैं कि जो उनके साथ सबसे ज्यादा समय बिताता है, वही उनका सबसे अच्छा दोस्त है। लेकिन असल में अच्छी दोस्ती का आधार सम्मान और भरोसा होता है। उसे बताएं कि एक अच्छा दोस्त- 'आपका मजाक नहीं उड़ाता।' 'आपकी कमजोरियों का फायदा नहीं उठाता।' 'आपकी सफलता से जलता नहीं है।' 'गलत काम के लिए दबाव नहीं डालता है।' 'जरूरत पड़ने पर आपके साथ खड़ा रहता है।' साथ ही बच्चे को समझाएं कि दोस्ती में डर, दबाव या अपमान की कोई जगह नहीं होती है। बच्चे के दोस्तों में दिखाएं रुचि- बहुत से माता-पिता बच्चे के दोस्तों में रुचि नहीं दिखाते, जबकि इससे बच्चे को इमोशनल सपोर्ट मिलता है। आप बच्चे से पूछ सकते हैं- 'आज स्कूल में किसके साथ बैठे थे?' 'तुम्हें उसमें क्या अच्छा लगता है?' 'तुम लोग साथ में क्या करते हो?' जब बच्चा महसूस करता है कि आप उसकी दोस्ती को समझना चाहते हैं, तब वह खुलकर बातें करता है। बच्चे की जासूसी न करें-कई बार पेरेंट्स बच्चे के दोस्तों को जानने-समझने के लिए जासूसी करते हैं या हमेशा पूछताछ करते रहते हैं। ये हेल्दी तरीका नहीं है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, उसकी संगत कैसी है, इसे परखने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जैसेकि-दोस्तों को घर बुलाएं। उनके साथ खेलें, बातें करें। खुलकर बातचीत करें। उनका बैकग्राउंड समझें। उनके पेरेंट्स के बारे में जानें। बिना जजमेंट के उन्हें सुनें। आप भी प्यार, मदद उनके दोस्त बनें। का हाथ बढ़ाएं स्कूल एक्टिविटीज में रुचि लें। कैसे समझें, बच्चा बुरी संगत में है? टीनएज में बच्चे दोस्तों से बहुत कुछ सीखते हैं। लेकिन अगर नए दोस्त बनाने के बाद बच्चे के व्यवहार, आदतों या सोच में नकारात्मक बदलाव दिखे तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि बच्चे की संगत ठीक नहीं है। गलत संगत के वॉर्निंग साइन- झूठ बोलना। बातें छिपाना। पढ़ाई में रुचि कम होना। जिम्मेदारियों से बचना। घर के नियम तोड़ना। गलतियां न मानना। गाली- गलौज करना। दूसरों को परेशान आक्रामक व्यवहार करना। अगर बच्चे में ये संकेत दिखें तो सतर्क हो जाएं। डांटने की बजाय बच्चे से खुलकर बात करें। संगत खराब हो तो क्या करें? पहले स्थिति को समझने की कोशिश करें। आपका उद्देश्य दोस्ती खत्म कराना नहीं, बल्कि बच्चे को सही-गलत समझने में मदद करना होना चाहिए। इसके लिए कुछ कदम उठा सकते हैं- प्यार से बातचीत करें। सही-गलत का फर्क समझाएं। घर में भरोसे का माहौल बनाएं। बच्चे की बात ध्यान से सुनें। पीयर प्रेशर पर चर्चा करें। खुद अच्छे रिश्तों के उदाहरण दें। दोस्तों के बारे में बात करें। बच्चे को निर्णय लेना सिखाएं। जरूरत से ज्यादा कंट्रोल न करें। स्कूल काउंसलर की मदद लें। पेरेंट्स की कॉमन गलतियां- कई बार माता-पिता बच्चे के दोस्तों को बिना जाने-समझे जज कर लेते हैं। इससे बच्चा अपनी सोशल लाइफ छिपाने लगता है और पेरेंट्स से दूर होने लगता है। इसलिए इन गलतियों से बचें-हर दोस्त को बुरा मान लेना। दोस्ती पर पूरी रोक लगा देना। बच्चे की बात सुने बिना फैसला करना। दूसरों बच्चों से तुलना करना। दोस्तों का अपमान करना। हर समय निगरानी रखना। बिना वजह शक करना। दोस्तों के सामने बच्चे को शर्मिंदा करना। अपनी पसंद बच्चे पर थोपना। अंत में यही कहूंगी कि दोस्ती बच्चे की पर्सनैलिटी को शेप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए माता-पिता का काम हर दोस्त को कंट्रोल करना नहीं, बल्कि बच्चे को अच्छे और बुरे प्रभाव में फर्क करना सिखाना है। जब घर में भरोसे और बातचीत का माहौल होता है, तो बच्चा किसी भी परेशानी या गलत प्रभाव के बारे में खुलकर बात करने में सहज महसूस करता है। यही भरोसा उसे सही दोस्त चुनने और जीवन में बेहतर फैसले लेने में मदद करता है।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहने पर आमिर की सफाई, कहा- बेटी और बहनों के पति हिंदू, तीनों में से किसी पत्नी का धर्म नहीं बदला

मुंबई। तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड

एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने इन आरोपों पर सफाई दी है। वेबसाइट रेडिफ के साथ बातचीत में आमिर ने कहा- मेरी तीनों

शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई

आमिर खान और उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता।

हैं। आमिर ने कहा- मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है। आमिर ने 5 जुलाई को की थी तीसरी शादी-एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज के रूप में रजिस्टर की गई। नेताओं ने लव जिहाद कहा, पुतला फूंका, मुफ्ती ने शादी को नाजायज बताया-आमिर खान की तीसरी शादी पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाया था- क्या आमिर खान लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर बन रहे हैं। महाराष्ट्र के ही मंत्री संजय शिरसाट ने कहा- यह आमिर का निजी जीवन है, लेकिन ऐसी चीजें समाज पर गलत असर डाल सकती हैं। बजरंग दल समेत कुछ संगठनों ने आमिर खान के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला भी फूंका। उनका आरोप था कि आमिर जानबूझकर गैर-मुस्लिम महिलाओं से शादी करते हैं। वहीं, आमिर की तीसरी शादी को लेकर यूपी में फतवा जारी हुआ है। अलीगढ़ में यूपी के शाही चीफ मुफ्ती मौलाना चौधरी इफ्राहीम हुसैन ने कहा कि शरीयत के मुताबिक किसी भी मुस्लिम पुरुष के लिए ऐसी गैर-मुस्लिम महिला से शादी करना पूरी तरह गलत और नाजायज है, जो अपने पुराने धर्म पर कायम हो। जिसने मुस्लिम धर्म स्वीकार न किया हो। ऐसी महिला से शादी इस्लाम के नियमों में अवैध है। ऐसा करने वाला मुस्लिम पुरुष भी धार्मिक रूप से गुनहगार है। सैलून एंटरप्रेन्योर

और फैशन प्रोफेशनल हैं गौरी स्प्रैट- आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। आमिर की तरह गौरी भी शादीशुदा थीं और उनका 7 साल का एक बच्चा है। आमिर और गौरी एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। दोनों पहले काफी अच्छे दोस्त थे, जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। 2002 में हुआ था आमिर का पहला तलाक-आमिर ने अपनी पहली शादी साल 1986 में रीना दत्ता से की थी। यह लव मैरिज थी जो करीब 16 सालों तक चली। दोनों के दो बच्चे, जुनैद खान और इरा खान हैं। साल 2002 में आमिर-रीना का तलाक हो गया था। किरण राव से दूसरी शादी फिर तलाक-रीना दत्ता से तलाक के बाद आमिर खान की जिंदगी में डायरेक्टर किरण राव आईं। साल 2005 में दोनों की शादी हुई। इस शादी से उनका एक बेटा आजाद है, जिसका जन्म आईवीएफ से हुआ। शादी के 16 साल बाद जुलाई 2021 में आमिर और किरण का ऐलान किया था। तीसरी शादी पर भारत का कानून क्या कहता है?भारत में तीसरी शादी करना गैरकानूनी नहीं है। कानून सिर्फ यह देखता है कि शादी के समय व्यक्ति की पिछली शादी कानूनी रूप से खत्म हुई है या नहीं।अगर पहली और दूसरी शादी का कानूनी तलाक हो चुका है या जीवनसाथी का निधन हो गया है, तो तीसरी शादी पूरी तरह वैध होती है। लेकिन बिना तलाक के दोबारा शादी करना द्विविवाह माना जा सकता है और यह कानूनन अपराध है। ऐसे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 82 के तहत शादी अमान्य होगी और 7 साल की जेल हो सकती है। केवल मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत एक मुस्लिम पुरुष को एक समय में अधिकतम 4 शादियां करने की परमिशन है। अगर शादी 'स्पेशल मैरिज एक्ट' के तहत रजिस्टर्ड की जा रही हो, तो यह छूट खत्म हो जाती है और वहां भी एक विवाह का नियम लागू होता है। आमिर खान के मामले में उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता से 2002 और दूसरी पत्नी किरण राव से 2021 में कानूनी तलाक हो चुका है। ऐसे में गौरी स्प्रैट से उनकी शादी वैध मानी जाएगी।

कटरीना हो चुकी 43 की, छोटे कपड़े पहने देख सलमान ने मारा, पहली फिल्म में गुलशन ग्रोवर को किस किया, विक्की ने सलमान के सामने प्रपोज किया, जवाब दिया- हिम्मत नहीं

मुंबई। साल 2000 के आसपास की बात है। करीब 18 साल की

कटरीना कैफ को अनुराग बासु के निर्देशन में बन रही फिल्म साया मिली, जिसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। ये उनकी पहली बतौर लीड बॉलीवुड फिल्म होती। एक रात उन्हें शूटिंग पर बुलाया गया। न डायलॉग था, न एक्सप्रेशन, बस डमी पासिंग शॉट देना था। अगले दिन फिर उन्हें बुलाया गया, एक सीन शूट किया गया और तुरंत पैकअप हो गया। कुछ देर बाद वहां मौजूद प्रोड्यूसर महेश भट्ट ने कहा कि इस लड़की को फिल्म से हटा दो। टीम ने जब ये बात उन्हें बताई, वो रो पड़ीं। वो बिलखते हुए सेट से निकलीं। उन्हें लगा कि उनका करियर यहीं खत्म हो गया और वे कभी एक्टिंग नहीं कर पाएंगी। कटरीना के लिए ये रिजेक्शन झेलना मुश्किल था। हॉन्गकॉन्ग में जन्मीं कटरीना ने महज 14 की उम्र से मॉडलिंग करना शुरू किया। एक एशियन दोस्त के कहने पर वो भारत घूमने आईं, जहां उन्हें बी-ग्रेड फिल्म बूम (2003) में काम मिल गया। इस फिल्म के बाद उन्हें कई ऑफर मिले थे, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस बनने का सपना देखा था। सेट से भगाए जाने के बाद शाम को सलमान खान मिले, तो कटरीना उनके सामने भी रो पड़ीं। ये देखकर

सलमान हंसने लगे। कटरीना चिढ़कर बोलीं- मुझे मेरी पहली फिल्म से निकाला गया, मेरी जिंदगी खत्म हो गई और तुम हंस रहे हो। सलमान ने जोर से हंसते हुए कहा- इससे कुछ नहीं होगा, मैं जानता हूं कि तुम बहुत आगे जाने वाली हो। ये सब होगा, मेरे पास अभी जवाब नहीं है, लेकिन तुम देखोगी कि तुम कितना आगे जाओगी। उस रोज सलमान की कही हुई बात वाकई सच हुई। जिस फिल्म साया से कटरीना को निकाला गया वो फ्लॉप हो गई और 2005 में कटरीना की एक नहीं बल्कि दो बड़ी फिल्में रिलीज हुईं। पहली थी अमिताभ बच्चन, अभिषेक की फिल्म 'सरकार' और दूसरी थी सलमान खान के साथ आई फिल्म 'मैंने प्यार क्यों किया'। इस फिल्म में खूबसूरती और चार्म से कटरीना देशभर में पॉपुलर हो गईं। गाने भी ब्लॉकबस्टर रहे। आगे कटरीना ने वेलकम, नमस्ते लंदन, एक था टाइगर जैसी हिट पर हिट देते हुए खुद को टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार किया। गुरूवार को कटरीना कैफ 43 साल की हो चुकी हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानिए, उनकी जिंदगी की इंट्रेस्टिंग कहानी-भारत घूमने आई थीं, खूबसूरती की बदौलत मिल गई बी-ग्रेड फिल्म-16 जुलाई 1983 में कटरीना कैफ का जन्म हॉन्गकॉन्ग में हुआ। वो एक भाई और 6 बहनों में मंझली थीं। मां सुजैन विदेशी थीं और पिता कश्मीरी। कटरीना कम उम्र की थीं, जब पिता ने मां और 7 बच्चों को छोड़ दिया। गुजारे के लिए मां कभी चीन गईं, तो कभी जापान। कभी बोट से बच्चों को फ्रांस ले गईं, तो कभी स्विटजरलैंट, पोलैंड, बेल्जियम, हवाई और लंदन। गुजारे के लिए बार-बार शहर बदलने के

चलते उनकी स्कूलिंग ठीक तरह नहीं हो सकी। घर में कुछ ट्यूटर आते, जो सारे भाई-बहनों को साथ पढ़ाते थे। कटरीना महज 14 साल की थीं, जब वह एक ब्यूटी कॉन्टैस्ट की विनर बनीं, जिसके बाद उन्हें लगातार जूलरी एड और मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। हुनर की बदौलत वो लंदन फैशन वीक की मॉडल बनीं। यहीं उनकी मुलाकात एक एशियन लड़की से हुई, जो उन्हीं के साथ मॉडलिंग करती थी। उस लड़की ने एक रोज कटरीना से कहा कि उन्हें कभी भारत घूमने आना चाहिए। कटरीना ने फुर्सत मिलते ही भारत की टिकट बुक करवा ली। एक रोज वो अपनी दोस्त के साथ एक फैशन शो देखने पहुंचीं। यहां उन पर लंदन के फिल्ममेकर कैजाद गुस्ताद की नजर पड़ गई। कैजाद ने उन्हें हिंदी-इंग्लिश फिल्म बूम ऑफर कर दी। ये एक बी-ग्रेड फिल्म थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ जैसे बड़े चेहरे थे। इस फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी श्रॉफ और उनकी पत्नी आएशा थे, जिन्होंने इसमें सारी जमापूंजी लगा दी थी और काफी कर्ज भी लिया था। 2 घंटे के साथ गुलशन ग्रोवर के साथ किसिंग सीन प्रैक्टिस किया- फिल्म में कटरीना को एक ऐसी मॉडल का किरदार मिला, जो डायमंड स्मगलिंग में फंसती हैं। फिल्म के एक सीन के लिए कटरीना कैफ को गुलशन ग्रोवर के साथ बोल्ड किसिंग सीन देना था, वो भी अमिताभ बच्चन की मौजूदगी में। डायरेक्टर कैजाद ने गुलशन को सुझाव दिया कि उन्हें फाइनल शॉट से पहले प्रैक्टिस कर लेनी चाहिए। कटरीना नई थीं, ऐसे में गुलशन ने सबके सामने शर्मिंदगी से बचने के लिए कटरीना के साथ 2 घंटे तक एक बंद कमरे में किसिंग सीन प्रैक्टिस किया। फिल्म 19 सितंबर 2003 में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस में बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जैकी श्रॉफ के लगाए हुए सारे पैसे डूब गए। कर्जदारों की रकम चुकाने के लिए जैकी श्रॉफ ने पहले फर्नीचर, कार बेची और आखिर में उनका घर भी बिक गया। फिल्म फ्लॉप रही और कटरीना के ब्रिटिश एक्सेंट की भी जमकर आलोचना हुई, इसके बावजूद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। इसी समय उन्होंने डिजाइनर रोहित बल समेत कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप पर कैटवॉक की। सलमान की बहन से हुई दोस्ती, जिनकी बदौलत खान परिवार की करीबी बनीं- करियर की शुरुआत में कटरीना कैफ की मुलाकात स्टेप क्लास में अलवीरा से हुई, दोनों साथ वर्कआउट करते थे। कटरीना वर्कआउट के समय भी पीनट बटर और ब्रेड खाती थीं, जो अलविरा को काफी अटपटा लगता था। इसी टॉपिक पर दोनों की बात शुरू हुई और समय के साथ दोनों की दोस्ती मजबूत होने लगी। एक रोज अलवीरा ने कटरीना से कहा कि वो उनके भाई सलमान खान की बर्थडे पार्टी में साथ चलें। इस पार्टी में चंद लोग ही पहुंचने वाले थे। कटरीना मान गईं और शाम को गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंचीं। जैसे ही कटरीना ने कदम आगे बढ़ाए, सलमान उनके सामने शर्टलेस खड़े थे, जो उन्हें देखते ही हड़बड़ाहट में छिपते हुए कमरे में वापस जाने को हुए, कटरीना ये देखकर हंस पड़ीं। नितिन कक्कड़ को दिए इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि उस दिन मेहमानों के आने से पहले उन्होंने वर्कआउट किया और फिर नहाने चले गए। उन्हें लगा

मेहमानों के आने में समय है, तो वो शर्टलेस ही लिविंग रूम में आ गए, वो इस बात से अनजान थे कि अलवीरा अपनी दोस्त को घर ला रही हैं। इस अटपटी पहली मुलाकात के बाद कटरीना अक्सर, अलवीरा के साथ घर जाया करती थीं, जहां उनकी सलमान से दोस्ती हो गई। इसी समय महेश भट्ट ने फिल्म साया के लिए कटरीना का ऑडिशन लिया था, तब उन्हें कटरीना पसंद आई थीं, हालांकि बाद में कटरीना को फिल्म से निकाल दिया गया। बॉलीवुड करियर न चलने के बीच ही कटरीना को साउथ फिल्म मल्लिसवरी (2004) में वेंकटेश के साथ काम मिल गया। फिल्म के लिए कटरीना को 75 लाख रुपए फीस मिली थी। ये साउथ एक्ट्रेस के मुकाबले उस दौर की सबसे ज्यादा फीस थी। ये फिल्म हिट रही और कटरीना को लगातार साउथ से बड़े ऑफर मिलने लगे। कटरीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें टॉप साउथ एक्टर्स जितनी फीस ऑफर होती थी, लेकिन कटरीना का फोकस बॉलीवुड में था। शूटिंग के बीच कोरियोग्राफर ने की बेइज्जती-इस साउथ फिल्म के एक गाने की शूटिंग आउटडोर हुई थी। कटरीना उस समय नई थीं और इंडियन डांस से पूरी तरह अनजान थीं। डांस न आने पर उन्हें बार-बार रीटेक करना पड़ रहा था। इस बात से कोरियोग्राफर चिढ़ गई। उसने माइक पर तेज आवाज में कहा- ये लड़की पूरी जीरो है। ये डांस भी नहीं कर सकती। कटरीना काफी निराश हुईं और मन में सोचा- ये इतनी तेज बोल रही है, जिससे मैं इसे सुन लूं, इसका मतलब ये है कि वो चाहती है मैं इसे सुनूं। कटरीना ने उस कोरियोग्राफर से कुछ नहीं कहा, लेकिन अपनी डांस स्किल्स पर काम करना शुरू कर दिया। आज कटरीना शीला की जवानी, चिकनी चमेली, अफगान जलेबी, इश्क परचम जैसे गाने देकर बॉलीवुड की सबसे बेस्ट डांसर कही जाती हैं। सलमान की बदौलत मिला बड़ा ब्रेक-साउथ डेब्यू के बाद सलमान ने कटरीना के कुछ ऑडिशन क्लिप और प्रोजेक्ट्स भी देखे थे। कुछ समय बाद सलमान खान को सुष्मिता सेन के साथ डेविड धवन की फिल्म मैंने प्यार क्यों किया मिली। इस फिल्म के लिए डेविड धवन एक सुसाइडल मॉडल के रोल के लिए नए चेहरे की तलाश में थे, तभी सलमान ने उन्हें कटरीना के नाम का सुझाव दिया। डेविड ने कटरीना का स्क्रीनटेस्ट लिया और काम पसंद आने पर उन्हें कास्ट कर लिया। ठीक इसी समय कटरीना को अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म सरकार में काम मिला। कटरीना ने एक साथ दोनों फिल्में शूट कीं। दोनों फिल्में जुलाई 2005 में रिलीज हुईं। सरकार में कम स्क्रीनटाइम के बावजूद कटरीना को जी सिने अवॉर्ड मोस्ट प्रोमिसिंग डेब्यू का नॉमिनेशन मिला, जबकि मैंने प्यार क्यों किया के लिए उन्हें बेस्ट ब्रेकथ्रो परफॉर्मेंस के लिए स्टारडस्ट अवॉर्ड मिला। अक्षय की फिल्म का सेट छोड़कर भागीं, खूब रोईं- आगे कटरीना कैफ को अक्षय कुमार के साथ फिल्म हमको दीवाना कर गए में साइन किया गया। ये बतौर लीड एक्ट्रेस कटरीना की पहली बड़ी फिल्म होने वाली थी। इससे पहले उनकी सभी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल ही थे। इस फिल्म की शूटिंग फिल्मिस्तान स्टूडियो में हुई। शिफ्ट लंबी चलने वाली थी, लेकिन पहले ही दिन 3 घंटे शूट करने के बाद कटरीना कैफ रो पड़ीं। कुछ देर बाद कटरीना बिना कुछ कहे सेट से निकल गईं। उन्होंने डिजाइनर को कॉल कर कहा, क्या इस तरह यहां काम होता है। इतने घंटे काम करवाया जाता है। मैं बहुत थक चुकी हूं। मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। क्या कोई और काम ढूंढ सकते हो। डिजाइनर ने इनकार कर दिया। शाम को कटरीना ने दोस्तों से यही कहा- मुझे अक्षय से डर लगता है, मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। हालांकि, दोस्तों के समझाने पर कटरीना मान गईं और फिल्म पूरी की। ये फिल्म हिट रही और कटरीना के साथ अक्षय की जोड़ी काफी पसंद की गई। जब फ्लॉप के

डर से भारत छोड़कर जाना चाहती थीं कटरीना- हमको दीवाना कर गए के बाद कटरीना को अक्षय कुमार के साथ नमस्ते लंदन में कास्ट किया गया। फिल्म बनकर तैयार हुई तो फिल्मी गलियारों में चर्चा होने लगी कि ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो जाएगी। इसी बीच डायरेक्टर विपुल शाह ने कटरीना को फिल्म देखने बुलाया। फिल्म दिखाने के बाद विपुल शाह ने उनसे पूछा कि फिल्म कैसी लगी। कटरीना जो पहले ही गॉसिप से परेशान थीं, बिना कुछ बोले ही वहां से तुरंत निकल गईं। कटरीना को फिल्म पसंद नहीं आई। उन्होंने मान लिया कि ये फ्लॉप होगी। उन्होंने भारत छोड़ने के लिए सामान पैक करना शुरू कर दिया। शाम को उनके पास विपुल शाह के असिस्टेंट का कॉल आया, जिसने कहा- आप बिना जवाब दिए चली गईं, विपुल जी आपसे नाराज हैं। कटरीना ने तुरंत विपुल को कॉल कर झूठी तारीफें करना शुरू कर दिया। उन्होंने फिल्म रिलीज तक भारत में रुकने का फैसला किया, लेकिन रिलीज के बाद फिल्म हिट हुई और कटरीना को और बड़ी फिल्मों के ऑफर आने

लगे। सलमान से मिलने जेल पहुंची थीं कटरीना कैफ- फिल्म मैंने प्यार क्यों किया के बाद से ही सलमान और कटरीना के अफेयर की चर्चा आम हो गई। हर किसी ने माना कि सलमान उनके गॉडफादर हैं। कटरीना ने पार्टनर और युवराज जैसी फिल्मों में सलमान के साथ स्क्रीन भी शेयर की। जब साल 2007 में सलमान खान को काला हिरण शिकार मामले में जेल हुई, तो कटरीना, अलवीरा और अरबाज के साथ उनसे मिलने पहुंचीं। कुछ समय बाद वह अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचीं। खबर ये भी रही कि सलमान कटरीना के लिए बेहद पजेसिव हैं। एक था टाइगर के सेट पर सलमान ने मारा- पर्सनल लाइफ की चर्चा के बीच कटरीना ने वेलकम, सिंह इज किंग, न्यूयॉर्क, दे दना दन जैसी बेहतरीन फिल्में देते हुए टॉप एक्ट्रेसेस में नाम बना लिया था। इसी समय उन्हें रणबीर कपूर के साथ फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी मिली। साथ काम करते हुए कटरीना और रणबीर के लिंक अप की खबरें आने लगीं। इसी

समय कटरीना ने सलमान खान के साथ एक था टाइगर शूट की। शूटिंग के बीच सिनेब्लिट्स मैगजीन की रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक था टाइगर फिल्म के सेट पर कटरीना को छोटे कपड़े पहने देख सलमान इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने सरेआम कटरीना पर हाथ उठा दिया। खबर चर्चा में रही। कुछ समय बाद सलमान ने भी इस पर सफाई दी। आप की अदालत में सलमान ने कहा, कटरीना ने छोटे कपड़े नहीं पहने थे, लेकिन कपड़े की फिटिंग ठीक नहीं थी। इसलिए मैंने उन्हें कपड़े बदलने के लिए कहा। हम फिल्म का आखिरी गाना माशाल्लाह शूट कर रहे थे और उसमें छोटे कपड़े पहनने की जरूरत भी नहीं थी। सलमान ने हाथ उठाने के दावे से इनकार नहीं किया, बल्कि कहा कि कभी-कभी पीआर टीम ही पब्लिसिटी के लिए ऐसी खबरें फैला देती हैं। जब 2013 में धूम रिलीज हुई तो आमिर ने को-स्टार कटरीना के लिए कहा कि वो सलमान-कटरीना की शादी होते देखना चाहते हैं। दूसरी तरफ कटरीना-रणबीर के रिश्ते की चर्चाएं बढ़ रही थीं। दोनों ने कभी इस पर न कन्फर्मेशन दी, न इसका खंडन किया। रणबीर

के साथ प्राइवेट फोटो हुई लीक-अगस्त 2013 में कटरीना और रणबीर के सीक्रेट हॉलिडे की प्राइवेट

तस्वीरें स्टारडस्ट मैगजीन में छपीं। वो तस्वीरें बीच में सीक्रेटली ली गई थीं। तस्वीरें पब्लिश होने पर कटरीना भड़क गईं और उन्होंने इसे ब्रीच ऑफ प्राइवेसी कहा। हालांकि तस्वीरों से उनके सीक्रेट रिलेशनशिप पर मुहर लग गई। जल्द ही कटरीना और रणबीर लिव-इन में रहने लगे। दोनों की शादी की खबरें तब तेज हुईं, जब रणबीर के साथ कॉफी विद करण में पहुंचीं करीना ने कटरीना को भाभी कहा। शादी की खबरों के बीच 2016 में कटरीना-रणबीर का ब्रेकअप हो गया। पूर्व जर्नलिस्ट पूजा सामंत ने एक इंटरव्यू में बताया कि ब्रेकअप के बाद कटरीना बुरी तरह टूट गई थीं। वो शादी करना चाहती थीं, लेकिन रणबीर तैयार नहीं थे। ब्रेकअप के कुछ दिनों बाद पूजा जब कटरीना का इंटरव्यू लेने यशराज स्टूडियो पहुंचीं, तो वहां कटरीना काफी रो रही थीं। वो रोते हुए कह रही थीं, मैंने गलती की, मैं उससे प्यार करती थी, उसकी वजह से मैंने अपना करियर बर्बाद कर लिया। ब्रेकअप के बीच ही कटरीना ने रणबीर के साथ जग्गा जासूस में काम किया, ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही। रणबीर की मां नीतू सिंह ने कसा था तंज- कटरीना से ब्रेकअप के कुछ समय बाद रणबीर की मां नीतू सिंह की एक पोस्ट पर विवाद हो गया। उन्होंने पोस्ट कर लिखा था- सिर्फ इसलिए कि उसने तुम्हें 7 साल डेट किया, इसका मतलब ये नहीं कि वो तुमसे शादी करेगा। मेरे अंकल ने 6 साल मेडिसिन की पढ़ाई की वो अब डीजे हैं। इसके जवाब में कटरीना की मां ने पोस्ट शेयर कर कहा और लिखा, 'मुझे बचपन से यही सिखाया गया कि सफाईकर्मी के साथ भी उतने ही सम्मान से पेश आओ, जितने सम्मान से किसी कंपनी के सीईओ को दिया जाता है।' विक्की कौशल में मिला हमसफर, जानिए कैसी है लव स्टोरी-विक्की और कटरीना की जोड़ी बनवाने में करण जौहर की काफी अहम भूमिका है। जब करण ने अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर कटरीना से सवाल पूछा था कि वो आगे किसके साथ काम करना पसंद करेंगी, तब उसके जवाब में कटरीना ने विक्की का नाम लिया था। ये बात करण ने जब विक्की को बताई तो वो इसे सुन कर दिल पर हाथ रखकर 'बेहोश' होने लगे। फिर विक्की ने कटरीना को साल 2019 में स्टार स्क्रीन अवॉर्ड के दौरान सरेआम शादी का प्रस्ताव दिया था। विक्की ने कहा था कि मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं, शादियों का मौसम

चल रहा है आप भी एक विक्की कौशल को ढूंढकर उससे शादी क्यों नहीं कर लेतीं। उसके बाद कटरीना से विक्की ने सीधे पूछ लिया कि मुझसे शादी करोगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा- हिम्मत नहीं है। हैरानी की बात तो ये थी कि ये सब सलमान खान की मौजूदगी में हो रहा था, जहां उनके एक्सप्रेशन देखने लायक थे। इस वक्त तो सभी ने इसे अवॉर्ड नाइट में एक्टर और होस्ट के बीच का मस्ती-मजाक समझकर नजरंदाज कर दिया, लेकिन फिर जल्द ही दोनों कई मौकों पर साथ नजर आने लगे। साल 2019 के आईफा अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड फंक्शन में भी दोनों साथ ही पहुंचे थे और साथ बैठे थे। कई बार विक्की को कटरीना के घर में भी स्पॉट किया गया। जल्द ही एक ही हुडी पहनने और एक ही बैकग्राउंड की तस्वीरें पोस्ट करते हुए दोनों के अफेयर की चर्चाएं बढ़ने लगीं। एक फोटो से खुला रिलेशनशिप का राज-कटरीना ने सोशल मीडिया अकाउंट से एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो पीली टी-शर्ट पहने एक शख्स को गले लगाए दिखीं। तस्वीर इतनी क्रॉप थी कि सिर्फ टी-शर्ट का जेब ही दिख रहा था। कुछ समय बाद विक्की ने वही पीली टी-शर्ट पहने हुए तस्वीर पोस्ट की, लेकिन तब कटरीना ने अपनी फोटो डिलीट कर दी। तस्वीरें जल्द ही वायरल हो गईं और दोनों का रिश्ता ऑफिशियल हो गया। तभी रिपोर्ट्स आईं कि कपल ने डायरेक्टर कबीर खान के घर में रोका कर लिया है। कई अटकलों के बीच विक्की-कटरीना ने 9 दिसंबर 2021 में सवाई माधोपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में डेस्टिनेशन वेडिंग की, जिसमें चंद करीबी ही शामिल हुए। शादी के 3 साल बाद 7 नवंबर 2025 में कटरीना ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम विहान रखा गया है। फिलहाल कटरीना और विक्की ने बेटे की तस्वीरें सार्वजनिक नहीं की हैं। कटरीना कैफ आखिरी बार 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में विजय सेतुपति के साथ नजर आई हैं। इन दिनों कटरीना मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं और अपने ब्यूटी ब्रांड पर फोकस कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।